RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 120, शनिवार, 13 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

चंपारण प्रमंडल ने रचा इतिहास, एक दिन में 1.46 करोड़ रुपये का डाक जीवन बीमा प्रीमियम ... 03

राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 13 सीएचओ सम्मानित 04

आईपीएल के जश्न के दौरान अनुष्का की तुलसी की कंठी ने खींचा ध्यान 07

संक्षिप्त समाचार

फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव

- ई-1 कोच में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत कानपुर से दिल्ली जा रहे थे

कानपुर (एजेंसी)। फिरोजाबाद में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ट्रेन पर गुरुवार शाम को पथराव हुआ। पत्थर सीधे उसी बोगी पर लगा, जिसमें वह बैठे थे। इससे खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत कानपुर से शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली जा रहे थे। भागवत एग्जीक्यूटिव क्लास के ई-1 कोच में थे। ट्रेन जब मक्खनपुर-फिरोजाबाद के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक बोगी को निशाना बनाकर पत्थर फेंका गया। गनीमत रही कि इस पथराव में संघ प्रमुख सुरक्षित रहे। सुरक्षा को देखते हुए ट्रेन को बीच रास्ते में कहीं भी नहीं रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही टूंडला जंक्शन पर रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के आला अधिकारी भारी फोर्स के साथ मुस्तैद हो गए। शाम 7.34 बजे जैसे ही शताब्दी एक्सप्रेस टूंडला जंक्शन के प्लेटफॉर्म पर आकर रुकी, सुरक्षा घेरा बेहद सख्त कर दिया गया।

इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

- टॉयलेट में टिशू पेपर पर लिखी मिली बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की आज चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, लखनऊ पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट हवा में ही थी, तभी टॉयलेट में एक टिशू पेपर मिला, जिस पर बम लिखा था। इसके बाद पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को

सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। एटीसीने एयरपोर्ट अथॉरिटी और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट किया, फिर लैंडिंग की अनुमति दी। इसके बाद सुबह 11:15 बजे फ्लाइट (6ई-2111) को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। सभी 184 यात्रियों और उनके सामान को नीचे उतारा गया। करीब 3 घंटे तक चेकिंग चली। बम निरोधक दस्ता और अन्य एजेंसियों के जवानों ने फ्लाइट की जांच की। डॉग स्क्वायड ने यात्रियों के एक-एक सामान की चेकिंग की। हालांकि, किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

शूटर जसपाल राणा का निधन

- कोच के निधन का पता चलते ही मनु भाकर ने ट्रेनिंग रोकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। 1 जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट कालीकेश

नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे। उन्हें फरवरी 2025 में 25 मीटर पिस्टल के लिए भारतीय जूनियर टीम का हाई परफार्मेंस कोच बनाया गया था।

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में 23 मेडल जीते जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे।

इलॉन मस्क की नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन पार

- अब 174 देशों की जीडीपी से अमीर, 2 बार पाकिस्तान खरीदकर भी छुट्टे बच जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। अगर आप रोज एक करोड़ रुपए खर्च करें- बिना रुके, बिना छुट्टी लिए। तो इलॉन मस्क की मौजूदा संपत्ति खर्च करने में आपको करीब 26 हजार साल से ज्यादा लगेंगे। 11 जून 2026 को स्पेसएक्स के आईपीओ ने मस्क को वो मुकाम दे दिया, जहां इंसानी इतिहास में कोई नहीं पहुंचा है, यानी पहला ट्रिलियनेयर। इलॉन मस्क की स्पेस इंजीनियरिंग कंपनी है स्पेसएक्स। ये रॉकेट, स्पेसक्राफ्ट वगैरह बनाती है। साथ ही 'स्टारलिंक' नाम से सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज भी देती है। रॉयटर्स ने कंपनी के दस्तावेजों और फोर्ब्स के अनुमानों के आधार पर हिसाब लगाया है कि जैसे ही स्पेसएक्स शेयर बाजार में ट्रेडिंग शुरू करेगी, मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर पार कर जाएगी।

दुनिया के कई देश खरीद सकते हैं - अगर कोई देश कभी बिके, तो उसकी कीमत आंकने का सबसे सही जरिया उसकी जीडीपी हो सकता है। 2025 में पाकिस्तान की जीडीपी 380 बिलियन डॉलर यानी 36.23 लाख करोड़ रुपए है। मस्क की नेटवर्थ इससे लगभग ढाई गुना ज्यादा है। यानी 2 बार पाकिस्तान खरीदने के बाद भी मस्क के पास करीब 22.89 लाख करोड़ रुपए बच जाएंगे। सऊदी अरब और नीदरलैंड की जीडीपी 1.2 ट्रिलियन डॉलर की है। मस्क अपनी नेटवर्थ में कुछ बचत मिलाएं, तो ये देश खरीद सकते हैं। अगर मस्क दो देश खरीदना चाहें, तो 0.54 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी वाला सिंगापुर और 0.54 ट्रिलियन डॉलर वाला इजराइल खरीद सकते हैं।

मंगल ग्रह पर 10 लाख लोगों का शहर बसा सकते हैं

मस्क ने कहा था कि अगर मंगल ग्रह पर 10 लाख लोगों का एक शहर बसाया जाए, तो इसकी लागत करीब 10 ट्रिलियन डॉलर आएगी। इसके लिए कम से कम दस लाख टन सामान वहां ले जाना होगा। अभी स्पेसएक्स के स्पेसशिप से एक टन माल स्पेस में भेजने में 2 लाख डॉलर का खर्च आता है। मस्क ने कहा था कि अगर ये खर्च एक लाख डॉलर प्रति टन हो, तो दस लाख टन सामान पर 100 बिलियन डॉलर का खर्च आएगा। ये मस्क की नेटवर्थ का दसवां हिस्सा है। नासा के मुताबिक, मंगल पर शहर बसाने की कुल लागत 600 बिलियन डॉलर आएगी।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को महिला ने शगुन के 100 रुपए दिए

- बोली-आप मेरे भांजे लगते हो, लेने होंगे; वन मंत्री ने कहा-ले लो मामी दे रही हैं

अलवर (एजेंसी)। अलवर में शहरी सेवा शिविर का निरीक्षण कर निकल रहे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का बुजुर्ग महिला ने हाथ पकड़ लिया। महिला ने मंत्री को शगुन के 100 रुपए पकड़ा दिए। मंत्री को इस तरह पैसे देते देख वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी और अधिकारी दंग रह गए।

बुजुर्ग महिला अनिता यादव ने मंत्री से कहा- आप मेरे भांजे लगते हो। ये 100 रुपए तो आपको लेकर ही जाने होंगे। पास ही खड़े वन राज्य मंत्री संजय शर्मा बोले, 'ले लो मामी दे रही हैं।' इसके बाद मंत्री ने शगुन के पैसे रखकर हाथ जोड़कर सिर झुकाकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद भूपेंद्र यादव के साथ मौजूद वन मंत्री संजय शर्मा भी हंसते हुए बोले कि मैं भी तो भांजा हूं। दरअसल, अनिता यादव गुरुग्राम से अपने जमीन से जुड़े विवाद के मामले में शिविर में पहुंची थीं। महिला ने कहा- 'भाई एमएलए है, पर अप्रोच नहीं लगाई; जमीन बचाओ मंत्री जी' शहरी सेवा शिविर में शुक्रवार को पहुंची बुजुर्ग महिला ने कहा- मैं गुरुग्राम से आई हूं।

कांग्रेस नेता नटराजन को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

याचिका खारिज

- चुनाव याचिका दायर करने का विकल्प अभी भी कायम
- फैसले के बाद बोलीं- पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई
- मप्र कांग्रेस नेताओं की पुलिस से झड़प

नईदिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस एएस चंदूरकर की बेंच ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 329 चुनाव प्रक्रिया में अदालतों के हस्तक्षेप को सीमित करता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस मामले में रिट पिटीशन पर सुनवाई नहीं कर सकता। नामांकन रद्द करने का फैसला सही था या गलत, अदालत ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। कोर्ट ने कहा-चुनाव से जुड़े ऐसे

विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। मीनाक्षी नटराजन चाहें तो चुनाव याचिका दाखिल कर इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं।

दरअसल, मध्य प्रदेश की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को मीनाक्षी का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया। इसके खिलाफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। याचिका खारिज होने पर मीनाक्षी ने कहा कि पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई।

शुक्रवार को कांग्रेस ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। इसमें मीनाक्षी नटराजन ने कहा- मेरे खिलाफ मात्र एक लीगल नोटिस है। उसकी पूरी जानकारी मैंने मेरे ईसीआई मेमोरेंडम में दी है। जिस पर आज तक अदालत ने संज्ञान नहीं लिया।

राष्ट्रपति भवन के लिए निकले नेताओं की पुलिस से झड़प

उधर, दिल्ली पहुंचे मध्य प्रदेश के कांग्रेस विधायकों ने राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी। कांग्रेस नेता इस पर चढ़ गए तो पुलिस से उनकी झड़प हो गई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत तमाम नेताओं को हिरासत में ले लिया।

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले-

पीएम मोदी के निर्देश पर ये सब किया गया- सुप्रीम कोर्ट में मीनाक्षी की याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- कोर्ट का तर्क है कि हमें पहले चुनाव आयोग, फिर हाई कोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए। हालांकि, यह एक विशेष मामला है। जितना अधिक समय लगेगा, यह मामला उतना ही लंबा खिंचेगा। इसलिए हम चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में राहत दे। उन्होंने आगे कहा, कोर्ट ने ऐसा कहा है, इसलिए हम उसके निर्देशों के अनुसार हाई कोर्ट जाएंगे। हमारा मानना है कि यह कार्रवाई गैर-कानूनी, अनैतिक और लोकतंत्र विरोधी है। सरकार ने जो किया है, वह गलत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंजूरी या निर्देश के बिना इतने बड़े कदम नहीं उठाए जाते। उनके निर्देश पर ये सब हुआ।

आम ग्राहक को अब 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम ग्राहक एक दिन में अधिकतम 200 लीटर ही डीजल खरीद पाएंगे। इस डीजल को दोबारा बेचने पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसके अलावा अब फैक्ट्रियों और कॉमर्शियल यूजर्स को रिटेल आउटलेट से ईंधन नहीं मिलेगा। केंद्र सरकार ने 11 जून 2026 को इसे लेकर आदेश जारी किया है। अब इन बड़े उपभोक्ताओं को केवल बल्क सेल पॉइंट्स से ही ईंधन खरीदना होगा। सरकार ने यह कदम देश के कुछ हिस्सों में रिटेल पंपों पर अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए उठाया है। यह पाबंदी शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की किल्लत नहीं होगी।

- खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 प्रतिशत पर

आम आदमी की जेब पर पड़ रहा बोझ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार एक बार फिर बढ़ गई है। मई महीने में यह बढ़कर 3.93 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48 प्रतिशत थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मीडियम-टर्म टारगेट 4 प्रतिशत के बेहद करीब पहुंच गई है।

ग्रामीण इलाकों में खाने-पीने की चीजें ज्यादा महंगी हुई- इस बार भी महंगाई बढ़ने के पीछे सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों में आई तेजी है। मई में कंज्यूमर फूड इन्फ्लेशन बढ़कर 4.78 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 4.2 प्रतिशत था। खास बात यह है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण भारत में खाद्य महंगाई दर ज्यादा रही।

5 महीने में पहली बार 4 प्रतिशत के करीब पहुंची महंगाई- 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74 प्रतिशत के स्तर पर थी, जो मई तक लगातार बढ़ते हुए 3.93 प्रतिशत पर आ गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मासिक आधार पर कीमतों में आया यह उछाल पिछले 16 महीनों में सबसे तेज है, जो दिखाता है कि बाजार में लगातार प्राइस प्रेशर बढ़ रहा है।

पुष्कर सरोवर में मिले युवक-युवती के शव

गुर्जर घाट के पास तैरते मिले

पुष्कर (एजेंसी)। अजमेर जिले के पुष्कर सरोवर के गुर्जर घाट के पास पानी में 2 शव तैरते मिले। शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे, जब घाट पर मौजूद स्थानीय तीर्थ पुरोहितों ने शवों को देखा तो पुलिस को सूचना दी। शव युवक-युवती के है। पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया - सुबह घाट पर पूजा करने आए तीर्थ पुरोहितों ने शवों को देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलने के बाद सुबह करीब 6 बजे टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से 15 मिनट में शवों को बाहर निकलवा लिया गया।एएसआई गोविंद शर्मा ने बताया - शव 2-3 दिन पुराने हैं, जो अब फूलने के बाद ऊपर आए है। दोनों शवों को पुष्कर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस ने बताया की मौके से युवती का आधार कार्ड बरामद किया गया है, जिसके आधार पर शवों की शिनाख्त की जा रही है।

ईरान के साथ आज जंग खत्म हुई : ट्रम्प

वे कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे, ईरान बोला- अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे।

ईरान का दावा- होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा फुल कंट्रोल- अमेरिका के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने दावा किया है कि होर्मुज स्ट्रेट पर उसका फुल कंट्रोल है। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी एडमिरल हबीबोल्लाह सय्यारी ने कहा कि इस समुद्री मार्ग से कोई भी जहाज ईरान की अनुमति के बिना नहीं गुजर सकता।सय्यारी ने अमेरिका के उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि हालिया हमलों में ईरानी नौसेना को भारी नुकसान पहुंचा है।

ट्रम्प के ईरान पर हमले न करने के फैसले से नेतन्याहू हैरान

राष्ट्रपति ट्रम्प के ईरान पर हमले को रोक देने के फैसले की जानकारी इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को पहले से नहीं दी गई थी। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के सार्वजनिक बयान से पहले नेतन्याहू को कोई चेतावनी नहीं मिली और वह इस घोषणा से हैरान रह गए। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेतन्याहू और इजराइली अधिकारी लगातार अमेरिका से ईरान पर सैन्य दबाव बनाए रखने की मांग कर रहे थे। उनका मानना था कि तेहरान बातचीत का इस्तेमाल समय हासिल करने के लिए कर रहा है।

ममता की हार के 14 दिन बाद ही टीएमसी टूटी

- बागियों का 18 मई को स्पीकर को भेजा लेटर सामने आया

कोलकाता (एजेंसी)। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में फूट अब तय है। विधानसभा के 80 में से 58 विधायकों के बगावत के बाद लोकसभा के बागी 19 सांसदों का लेटर शुक्रवार को सामने आया। मीडिया सूत्रों के मुताबिक इसे 18 मई को लोकसभा स्पीकर को भेजा गया था और अलग गुट बनाने की मांग की गई है। इससे साफ है कि ममता की हार के 14 दिन बाद ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई थी। इस चिठ्ठी में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। एक नाम सामने नहीं आया है। इससे पहले 3 जून को टीएमसी के 58 विधायकों ने बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उनके गुट को मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था।

19 बागी लोकसभा सांसदों के नाम

लोकसभा सीट	सांसद	लोकसभा सीट	सांसद
बारासात	काकोली घोष दस्तीदार	घाटाल	दीपक अधिकारी (देव)
कूचबिहार	जगदीश चंद्र बसुनिया	झाड़ग्राम	कालीपद सोरेन
जांगीपुर	खलीलुर रहमान	मेदिनीपुर	जून मालिया
बहरामपुर	यूसुफ पठान	बांकुड़ा	अरूप चक्रवर्ती
मुर्शिदाबाद	अबू ताहेर खान	बर्धमान पूर्व	डॉ. शर्मिला सरकार
बैरकपुर	पार्थ भौमिक	हावड़ा	प्रसून बंधोपाध्याय
मथुरापुर	बापी हलदार	बोलपुर	असित कुमार माल
जादवपुर	सायोनी घोष	बीरभूम	शताब्दी रॉय
कोलकाता दक्षिण	माला रॉय	हुगली	रचना बनर्जी
आरामबाग	मिताली बाग		

संक्षिप्त समाचार

भतीजे ने चाची के पैर में गोली मारी, 3 घायल, वैशाली में जमीन विवाद को लेकर फायरिंग

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मझौली गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला को गोली लग गई। इस घटना में कुल तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि मझौली गांव में आपसी जमीनी विवाद के चलते एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर हमला किया। मारपीट के दौरान गोली चलाई गई, जिससे एक महिला के पैर में गोली लगी। गोली लगने से घायल महिला की पहचान बिदुपुर थाना के मझौली गांव निवासी रामजी चौधरी की पत्नी गीता देवी (55) के रूप में हुई है। अन्य घायलों में विलाश चौधरी के पुत्र गनौर चौधरी (60) और सुनील चौधरी की पत्नी निभा देवी (25) शामिल हैं। घायल महिला के बेटे पप्पू कुमार ने बताया कि उनके पट्टीदार जागेश्वर चौधरी के पुत्र लालू चौधरी ने अपने ससुराल बिदुपुर थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव से लगभग 10 लोगों को बुलाया था। सुबह में इन लोगों ने बांस काटकर डंडे बनाए और करीब 10 बजे अचानक उनके घर पर आकर मारपीट करने लगे। इसी दौरान लालू कुमार ने गोली चला दी, जो उनकी मां के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह बेहोश होकर गिर गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाने की सलाह दी। सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने सदर अस्पताल पहुंचकर घायलों से बातचीत की और मामले की गहन जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पेड़ लूटने का विरोध, कर्मियों का सिर फोड़ा, 2 मजदूर गंभीर घायल, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र में NH-122 B परियोजना के तहत पेड़ काट रहे कर्मियों पर हमला किया गया। लकड़ी लूटने का विरोध करने पर हुई इस मारपीट में दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना मनियारपुर स्थित योगी स्थान के पास हुई। परियोजना में आर्बोरिस्ट के पद पर कार्यरत नीरज कुमार तिवारी ने बताया कि उनके मजदूर बिट्टू राज और चंदन कुमार मनियारपुर में पेड़ काटने का काम कर रहे थे। इसी दौरान कैलाश पासवान (लकड़ी कारोबारी), मितल पासवान, सन्नी कुमार, राजन कुमार, कारू कुमार और अभिषेक कुमार सहित 20-25 अज्ञात ग्रामीण जबरन लकड़ी लूटने लगे। मजदूरों और मौके पर मौजूद वन रक्षक ने जब इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में मजदूर बिट्टू राज के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि चंदन कुमार भी बुरी तरह घायल हो गए। वन रक्षक पदाधिकारी विकास कुमार ने दोनों घायल मजदूरों को तुरंत बिदुपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। नीरज कुमार तिवारी के अनुसार, दोनों मजदूरों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। नीरज कुमार तिवारी जब घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे, तो वहां मौजूद चार लोगों ने उन्हें एससी/एसटी एक्ट में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में बिदुपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

वैशाली में बाल श्रम से 5 बच्चे बचाए गए, आरोपी को देना होगा 50,000 रुपए तक का जुर्माना

हाजीपुर। वैशाली में बाल श्रम के खिलाफ चलाए गए अभियान में गुरुवार को पांच बच्चों को मुक्त कराया गया। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर धावा दल ने भगवानपुर और गोरौल प्रखंड में यह कार्रवाई की। यह रेस्क्यू ऑपरेशन श्रम संसाधन विभाग वैशाली, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल वैशाली और स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान के तत्वावधान में चलाया गया। मुक्त कराए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। वहीं, बच्चों को काम पर रखने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के डायरेक्टर सह सचिव डॉ. सुधीर कुमार शुक्ला ने बताया कि 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाना है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि बाल श्रम अधिनियम के तहत बच्चों से काम कराना कानूनी अपराध है। इसके उल्लंघन पर नियोक्ता को 20,000 से 50,000 रुपये तक का जुर्माना और दो साल तक की कैद का प्रावधान है। मुक्त कराए गए बच्चों को श्रम संसाधन विभाग द्वारा 3,000 रुपए की राशि भी उपलब्ध कराई जाती है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में गोरौल और भगवानपुर थाने की पुलिस बल, बचपन बचाओ आंदोलन की अनुपम कुमारी, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल के इंस्पेक्टर याकूब अली, तथा जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के प्रतिनिधि नीलू कुमारी, राजीव कुमार और गुड्डू कुमार शामिल थे।

पटना से नेपाल भेजी जानी थी नशीली इंजेक्शन, खेप जब्त, पूर्वी चंपारण के चार तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के माधौल फोरलेन के पास पुलिस ने कार्रवाई की है। नशीले इंजेक्शनों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने एक सूमो वाहन से 4 हजार डायजेपाम और बायप्रो नोर्फिन इंजेक्शन बरामद किए हैं। इस मामले में अंतरजिला गिरोह से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि इंजेक्शन की यह खेप रक्सौल के रास्ते नेपाल भेजी जानी थी। सदर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नशीले इंजेक्शनों की बड़ी खेप लेकर कुछ लोग रक्सौल की ओर जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही माधौल फोरलेन के पास गाड़ी जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक संदिग्ध सूमो वाहन को रोक कर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान गाड़ी से भारी मात्रा में डायजेपाम और बायप्रो नोर्फिन इंजेक्शन बरामद हुए। बाद में इंजेक्शनों की गिनती कराई गई, जिसमें कुल 4 हजार डायजेपाम इंजेक्शन होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने मौके से चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सौल निवासी मो. सलीम और सोनू कुमार और पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना क्षेत्र निवासी चूमन राम और मो. आजाद के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पटना के नाला रोड इलाके में रहने वाले हरि नाम के व्यक्ति ने उन्हें यह खेप सौंपी थी। इंजेक्शन को रक्सौल पहुंचाना था, जहां से आगे नेपाल भेजे जाने की योजना थी। आरोपियों ने बताया कि इस काम के एवज में उन्हें कुल 10 हजार रुपये मिलने वाले थे, लेकिन मुजफ्फरपुर में ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी चूमन राम ने एक और बड़ा खुलासा किया। उसने बताया कि वह इससे पहले भी तीन बार इसी तरह नशीले इंजेक्शनों की खेप नेपाल पहुंचा चुका है। इस बयान के बाद पुलिस को अंतरराज्यीय और नेपाल तक फैले तस्करी नेटवर्क के सक्रिय होने की आशंका है। अब पुलिस सप्लाई चेन से जुड़े अन्य तस्करों और मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना वरीय अधिकारियों और ड्रग इंस्पेक्टर को भी दी गई है। बरामद इंजेक्शनों की जांच कराई जा रही है और तकनीकी सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। डॉक्टर विजय कुमार भारती ने बताया कि डायजेपाम इंजेक्शन का उपयोग गंभीर चिंता, मांसपेशियों में ऐंठन, शराब छोड़ने के दौरान होने वाली समस्याओं और मिर्गी के दौरे के इलाज में किया जाता है। यह मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र को शांत करने का काम करता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय सलाह के बिना या गलत तरीके से इसका इस्तेमाल बेहद खतरनाक हो सकता है। अधिक मात्रा में उपयोग करने पर व्यक्ति मानसिक रूप से सुस्त हो सकता है और लगातार दुरुपयोग की स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।

पटना में 124 करोड़ से बनेंगे 19 आधुनिक वेंडिंग जोन

म्यूनिसिपल बॉन्ड से मिलेगा फंड, 4400 फुटपाथी वेंडर्स का मिलेगा स्थायी दुकान

एजेंसी, पटना

पटना नगर निगम 124 करोड़ रुपये की लागत से 19 आधुनिक वेंडिंग जोन बनाने जा रहा है। इसके लिए कुल 760.81 डिसमिल जमीन चिन्हित की गई है। इससे 4400 वेंडरों को राहत मिलेगी। प्रत्येक वेंडिंग जोन में 200 से 235 दुकानों की व्यवस्था होगी। भविष्य में कुल 31 वेंडिंग जोन बनाकर 7200 वेंडरों को बसाने का लक्ष्य है। इस पर खर्च होने वाली राशि 200 करोड़ रुपये के म्यूनिशिपल बॉन्ड से जुटाई जाएगी। नगर निगम का प्रस्ताव अंतिम चरण में है और अगले दो महीने में बॉन्ड जारी होने की उम्मीद है।

नूतन राजधानी और पाटलिपुत्र अंचल में बनेंगे 12 वेंडिंग जोनः अभी चिन्हित 19 वेंडिंग जोन में 9 जगहों पर नगर निगम की अपनी जमीन है, जबकि बाकी 10 जगहों के लिए पथ निर्माण, सिंचाई और भवन निर्माण विभाग से उनके जमीन पर बनाने के लिए NOC के लिए पत्र लिखा गया था। वर्तमान में सबसे अधिक 8 वेंडिंग जोन नूतन राजधानी अंचल में बनेंगे। नूतन राजधानी और पाटलिपुत्र अंचल में 12 वेंडिंग जोन बनेंगे। नूतन राजधानी अंचल में सबसे ज्यादा 8 वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव है, जिस पर 61.69 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मल्टीलेवल पार्किंग के पीछे बनेंगे G+1 वेंडिंग जोनः इसके तहत शेखपुरा रैन बसेरा, अमला टोला, पंच मंदिर, इको पार्क डीपीएस के पास, चित्रगुप्त समाज मंदिर, साकेत नगर, बेउर मोड़ व स्टेशन रोड मल्टीलेवल पार्किंग के पीछे G+1 वेंडिंग जोन बनेंगे। वहीं, पाटलिपुत्र अंचल में 24.29 करोड़ की लागत से 4 वेंडिंग जोन प्रस्तावित हैं। इनमें मछली मार्केट के पास आरसीडी की जमीन, वार्ड 20 में सब्जी मार्केट के पास, वार्ड 8 में बीएमएसआइसीएल के सामने और वार्ड 24 में दीघा पोस्ट के सूर्य मंदिर के पास आधुनिक G+1 परिसर तैयार किए जाएंगे।

म्यूनिशिपल बॉन्ड की फंड से तैयार होंगे वेंडिंग जोनः वेंडिंग जोन बनाने में म्यूनिशिपल बॉन्ड का पैसा खर्च किया जायेगा। दरअसल, पटना नगर निगम 200 करोड़ रुपये का म्यूनिशिपल बॉन्ड जारी करने जा रहा है। इसके लिए बाजार नियामक सेबी से हरी झंडी मिल चुकी है और निगम जल्द ही इसका फाइनल प्रस्ताव मंजूरी के लिए भेजने वाला है। बॉन्ड से मिलने वाली राशि को मुख्य रूप से उन योजनाओं में निवेश किया जाएगा, जहां से निगम को स्थायी राजस्व मिल सके और वेंडिंग जोन इसका सबसे बड़ा जरिया बनेंगे।

बाढ़ में 2 होटल में छापेमारी हिरासत में 2 संचालक

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र में स्टेशन रोड स्थित दो होटलों में पुलिस ने देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। एसडीपीओ-1 रामकृष्णा के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। पुलिस को इन होटलों में कई दिनों से अवैध गतिविधियों की गुप्त सूचनाएं मिल रही थीं। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटलों के कमरों से कई महिला और पुरुषों को आपत्तिजनक स्थिति में पाया। इसके बाद कई व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। मौके से तीन युवतियों को भी बरामद किया गया है।

होटल संचालकों की भूमिका की हो रही जांचः स्थानीय पुलिस अब होटल संचालकों की भूमिका की गहनता से जांच कर रही है। होटल में बिना उचित पहचान पत्र के कमरे उपलब्ध कराने के नियमों के उल्लंघन की भी जांच की जाएगी। हिरासत में लिए गए सभी लोगों को थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है। उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है, क्योंकि स्टेशन रोड जैसे व्यस्त सार्वजनिक क्षेत्र में ऐसी गतिविधियां कानून-व्यवस्था के लिए चिंता का विषय थीं।

होटल के कमरों से कई महिला और पुरुष मिले, पुलिस कर रही पूछताछ

कई दिनों से अवैध मूवमेंट की मिल रही थी सूचनाः एसडीपीओ-1 रामकृष्णा ने बताया कि उन्हें पिछले कई दिनों से स्टेशन रोड स्थित दो होटलों, 'खाना खजाना' और 'न्यू राजनंदनी' में अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। सूचना के सत्यापन के बाद यह छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि संदिग्ध अवस्था में पाए गए व्यक्तियों और दोनों होटलों के संचालकों को हिरासत में लिया गया है। सभी को थाने ले जाकर पूछताछ की जा रही है और सत्यापन के बाद नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री अशोक चौधरी ने पूर्व पीए के खिलाफ कराया एफआईआर

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री अशोक चौधरी ने अपने पूर्व निजी सहायक (PA) के खिलाफ पटना साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री ने आरोप लगाया है कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) अकाउंट का एक्सेस अब भी पूर्व PA निशांत केतु झा के पास है, जबकि वह नौकरी छोड़ चुके हैं।

मंत्री कार्यालय के मुताबिक, पूर्व PA से सोशल मीडिया अकाउंट का एक्सेस वापस देने का आग्रह किया गया था, लेकिन आरोप है कि निशांत केतु झा ने इसके बदले पैसे की मांग की। शिकायत में कहा गया है कि गलत तरीके से मंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट को अपने नियंत्रण में रखा गया है।

निशांत केतु झा ने बताया कि, मेरे पर्सनल मेल से ट्विटर अकाउंट अशोक चौधरी जी का बनाया गया था। अब मेरे ऊपर पर्सनल मेल का एक्सेस देने का दबाव बनाया जा रहा है। भला मैं अपने पर्सनल मेल का एक्सेस कैसे दे सकता हूं। उन्हें अपना चेंज करना है, तो कभी भी कर सकते हैं। लेकिन मेरे पर्सनल मेल का जबरन एक्सेस लेने के लिए दबाव देना अनुचित है। निशांत केतु झा ने आगे कहा कि, 'मैं जब तीन साल में कोई दबाव नहीं बनाया। उस मेल से मतलब नहीं रखा तो अब भला क्या रखूंगा। कोई रुपए वगैरह की डिमांड मेरी ओर से नहीं की गई है।' साइबर DYSP नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि, 'शिकायत दर्ज हो गई है।

हाईवा-ट्रैक्टर की टक्कर, 65 साल के बुजुर्ग की मौत 3 घायल, गुस्साए ग्रामीणों ने एनएच-139 किया जाम

एजेंसी, पटना

पटना के नौबतपुर थाना क्षेत्र के बादीपुर गांव के पास गुरुवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर एक हाईवा ने ट्रैक्टर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैक्टर सवार 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान जानीपुर निवासी संजीवन राम (65) के रूप में हुई है। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने पटना-नौबतपुर मार्ग को जाम कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

पीछे से हाईवा ने मारी टक्करः जानकारी के मुताबिक, संजीवन राम कुछ लोगों के साथ ट्रैक्टर से नौबतपुर की ओर से लौट रहे थे। इसी दौरान बादीपुर गांव के पास तेज रफ्तार हाईवा ने ट्रैक्टर में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर और ट्रेलर अलग-अलग हो गए। हादसे में संजीवन राम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, महंगूपुर निवासी सुरेंद्र प्रसाद, मंटू कुमार और उनके एक रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को एम्स किया गया रेफरः घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत बचाव शुरू किया। सभी घायलों को इलाज के लिए पटना एम्स रेफर किया गया है। वहीं, हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है।

सड़क पर उतरे ग्रामीण, लगाया जामः घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। नाराज ग्रामीणों ने पटना-नौबतपुर मार्ग पर टायर जलाकर सड़क जाम कर दिया। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम की सूचना मिलने पर नौबतपुर, जानीपुर और पिपलामा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। प्रशासन की ओर से उचित कार्रवाई और सरकारी प्रावधानों के तहत सहायता दिलाने का आश्वासन मिलने के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

हाईवा जब्त, जांच जारीः नौबतपुर थानाध्यक्ष मंजीत कुमार ठाकुर ने बताया कि, 'बादीपुर के पास हाईवा की टक्कर से ट्रैक्टर सवार एक व्यक्ति की मौत हुई है, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। हाईवा को जब्त कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक की तलाश जारी है।'

बिहार में मानसून की एंट्री, आंधी-बारिश का अलर्ट, 24 घंटे में 10 डिग्री तक गिरा पारा

एजेंसी, पटना

बिहार में मानसून की एंट्री हो गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, किशनगंज, अररिया, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा और मधुबनी में मानसून पहुंच चुका है। 72 घंटे के अंदर पूरे बिहार में मानसून एक्टिव हो जाएगा। आज यानी शुक्रवार को पूरे राज्य में आंधी-बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें पटना, गया समेत 18 जिलों में ऑरेंज और सीतामढ़ी, दरभंगा समेत 20 जिलों में यलो अलर्ट है। गुरुवार को भारी बारिश के बीच बिजली गिरने से बिहार के 5 जिलों में 10 लोगों की जान ले ली। सभी मौतें कोसी-सीमांचल और पूर्वी बिहार में हुईं।

आकाशीय बिजली से 10 की मौतः आकाशीय बिजली से सबसे ज्यादा तबाही खगड़िया में मची, जहां तीन पीढ़ियों ने एक साथ दम तोड़ दिया। मक्का काट रहे दादा, बेटे और पोते की ठनका से मौत हो गई। वहीं जिले के बेलदौर के नारदपुर और लवघड़िया बहियार में बिजली की चपेट में आने से दो की मौत हुई। 8 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मधेपुरा के आलमनगर में एक दंपती की जान चली गई। भागलपुर के नारायणपुर में, सहरसा और जमुई में भी ठनका से तीन लोगों की मौत हो गई।

समय से पहले बिहार में क्यों पहुंचा मानसूनः मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र काफी मजबूत है। इसके अलावा पूर्वी भारत में अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण मानसून ने बिहार में सामान्य तिथि से पहले दस्तक दी है। खाड़ी से आने वाली नम हवा लगातार उत्तर और उत्तर-पूर्व बिहार की ओर बढ़ रही हैं, जिससे मानसून को तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिली है। यही स्थिति बनी रही तो अगले 2-3 दिनों में पूरे बिहार में मानसून सक्रिय हो जाएगा और अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है।

♦ पटना, गया समेत 18 जिलों में ऑरेंज और सीतामढ़ी, दरभंगा समेत 20 जिलों में यलो अलर्ट जारी

कई जिलों में हो रही बारिशः बिहार के उत्तर-पूर्वी और सीमांचल क्षेत्र के कई जिलों में बारिश शुरू हो चुकी है। किशनगंज, अररिया, सुपौल, पूर्णिया, कटिहार और मधुबनी में बादल छाए हुए हैं और कई जगहों पर बारिश हो रही है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है।

पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, कोटवा पुलिस कर रही पूछताछ

बीएनएम@ मोतिहारी

कोटवा थाना क्षेत्र के जसौली पट्टी स्थित 95 आईडी पुल के समीप पुलिस ने एक युवक को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस युवक से गहन पूछताछ कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए कोटवा थाना पुलिस ने छापेमारी कर उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक पिस्टल बरामद की गई। गिरफ्तार युवक की पहचान कोइरगांवा निवासी गणेश यादव के पुत्र राजेश यादव के रूप में हुई है। पुलिस उससे हथियार के स्रोत तथा उसके उपयोग के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पूछताछ के बाद प्राप्त तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि पुलिस पूरे मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

पटना साहिब जत्थेदार ने की पूर्व-जत्थेदार पर कार्रवाई की मांग

अमृतसर। पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरिमंदिर जी के जत्थेदार ज्ञानी रंजीत सिंह ने श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह मांग ज्ञानी रघबीर सिंह द्वारा एक दुनियावी जांच एजेंसी (एसआईटी) के समक्ष बयान देने के बाद की गई है। पत्र में कहा गया है कि विभिन्न समाचार चैनलों की रिपोर्टों के अनुसार, ज्ञानी रघबीर सिंह ने एक दुनियावी जांच एजेंसी के सामने बयान दिए हैं। जत्थेदार रंजीत सिंह के अनुसार, यह कार्य श्री अकाल तख्त साहिब की पवित्र परंपराओं, सिख सिद्धांतों और उसकी मर्यादा का उल्लंघन है। ज्ञानी रंजीत सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि श्री अकाल तख्त साहिब दुनियाभर के सिखों के लिए सर्वोच्च धार्मिक संस्था है।

पटना में जलजमाव रोकने की तैयारी तेज

एजेंसी, पटना

मानसून से पहले शहर में जल निकासी की सुनिश्चित व्यवस्था के लिए नगर आयुक्त यशपाल मीणा द्वारा कई निर्देश दिए गए हैं। ज्ञान भवन और गांधी मैदान परिसर के अंदर स्थित नालों को ह्यूम पाइप बिछाकर जोड़ा जाएगा। नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 24, 25, 26 और 27 का निरीक्षण किया। उन्होंने नौ संवेदनशील स्थलों पर जलनिकासी व्यवस्था की समीक्षा की। प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय और डीएम आवास के सामने जलनिकासी व्यवस्था की समीक्षा की गई। दरअसल, पटना में हुई 1 घंटे की बारिश ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। कई जगह निर्माण कार्य जारी रहने के कारण सड़कों पर जलजमाव और कीचड़ ने लोगों को काफी परेशान किया। सड़कों पर फिसलन होने से बाइक और स्कूटी सवार के एक्सीडेंट का भी खतरा बना रहा।

क्राइस्ट चर्च स्कूल के पास भूमिगत नाले की होगी सफाईः गांधी मैदान गेट संख्या-5 के सामने क्राइस्ट चर्च डायोसेसन स्कूल के निकट जलजमाव की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान यह पाया गया कि भूमिगत नाले की सफाई की आवश्यकता है। नगर आयुक्त ने रात्रि में सड़क को नियंत्रित रूप से काटने, नाले की सफाई कराने और तत्पश्चात सड़क को पहले जैसा करने के निर्देश दिए, ताकि यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़े और जलनिकासी व्यवस्था सुचारु हो सके।

चैंबरों को आपस में लिंक करने के निर्देशः बुद्धा कॉलोनी में एस.के. पुरी पार्क गेट संख्या-8 के सामने दोनों ओर बने चैंबरों को आपस में लिंक करने के निर्देश दिए गए ताकि जलनिकासी की क्षमता बढ़ाई जा सके। इसके अतिरिक्त पार्क के गेट संख्या-1 के सामने स्थित चैंबर को खुलवाकर नाले की उड़ाही की स्थिति की जांच की गई। नगर आयुक्त ने क्षेत्र में तुरंत जलनिकासी सुनिश्चित करने के लिए नाले पर ग्रेटिंग लगाने और आवश्यकतानुसार ह्यूम पाइप लगाने के निर्देश दिए।

❒ ह्यूम पाइप से जुड़ेंगे ज्ञान भवन-गांधी मैदान के नाले, मानसून अलर्ट के लिए कर्मियों को मिलेगी वॉकी-टॉकी

गड्ढे को लाल कपड़े से घेरने का निर्देशः मोक्ष द्वार (बांस घाट) के सामने जलनिकासी की धीमी गति को लेकर अधिकारियों ने अवगत कराया कि क्षेत्र का नाला काफी पुराना है, जिसके कारण पानी निकलने में समय लगता है। नगर आयुक्त ने अभियंताओं को नाले की तकनीकी जांच कर बेहतर बनाने के लिए तत्काल कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। दुजरा स्थित श्रीराज अपार्टमेंट (टीसीएस ऑफिस) के समीप निरीक्षण के दौरान नाले के ध्वस्त होने तथा चैंबर के पास गड्ढा पाए जाने पर तत्काल गड्ढे को लाल कपड़े से घेरने, अस्थायी रूप से ह्यूम पाइप लगाकर जलनिकासी सुनिश्चित करने तथा शीघ्र गड्ढे को भरने के निर्देश दिए।

दूसरी ओर बुडको प्रबंध निदेशक ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि शहर के सभी 91 ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन (DPS) पर टीमें 24x7 अलर्ट मोड में तैनात रहेंगी। बुडको के कर्मियों को पटना नगर निगम के साथ समन्वय करके वॉकी टॉकी से जोड़ा गया है, जिससे कहीं परेशानी आने पर अलर्ट रहे। दोनों विभाग वॉकी टॉकी से जुड़े रहे। पटना में वर्तमान में 56 स्थाई और 35 अस्थाई DPS पूरी तरह काम कर रही हैं। जल निकासी के लिए 364 हाई-कैपेसिटी पंप लगातार चलाए जा रहे हैं, जिनमें 265 विद्युत चालित और 99 डीजल पंप शामिल हैं। स्थाई DPS पर 256 पंप और अस्थाई DPS पर 83 पंपों ने बिना रुके काम किया।

चंपारण प्रमंडल ने रचा इतिहास, एक दिन में 1.46 करोड़ रुपये का डाक जीवन बीमा प्रीमियम अर्जित

बीएनएम@ मोतिहारी।

चंपारण प्रमंडल, मोतिहारी ने डाक जीवन बीमा (पीएलआई) एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए बिहार परिमंडल में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 11 जून 2026 को आयोजित विशेष बीमा अभियान के दौरान प्रमंडल ने एक ही दिन में 1 करोड़ 46 लाख रुपये का प्रीमियम अर्जित कर पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त किया। डाक अधीक्षक मुकेश कुमार लस्कर के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान में कुल 306 डाक जीवन बीमा (पीएलआई) तथा 723 ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) पॉलिसियां जारी की गईं। इस प्रकार एक ही दिन में 1029 नई पॉलिसियों का व्यवसाय अर्जित कर चंपारण प्रमंडल ने अपनी कार्यकुशलता और जनविश्वास का परिचय दिया। अभियान की सफलता में प्रमंडल के सभी डाक कर्मियों ने उल्लेखनीय योगदान दिया। सर्वाधिक प्रीमियम अर्जित करने वालों में शाखा डाकपाल चिन्तामनपुर आलोक कुमार ने 8.79 लाख रुपये का प्रीमियम जुटाकर अग्रणी भूमिका निभाई। इसके अलावा झाँझरा के शाखा डाकपाल अरुण कुमार, दामोदरपुर के पोस्टमैन हरिओम प्रकाश, पचपकरी के पोस्टमैन श्याम सुंदर कुमार, नरकटिया के शाखा डाकपाल शशि रंजन, बहादुरपुर के शाखा डाकपाल सुंदरम कुमार वत्स, सवांगिया के शाखा डाकपाल धीरज कुमार पांडेय तथा सुगौली उपडाकघर के उपडाकपाल अनुराग प्रियदर्शी ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष उल्लेखनीय तथ्य यह रहा कि अभियान के दौरान 33 डाक कर्मियों ने एक-एक लाख रुपये से अधिक का प्रीमियम अर्जित किया। यह उपलब्धि कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, परिश्रम और जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाती है। इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डाक अधीक्षक मुकेश कुमार लस्कर ने कहा कि यह उपलब्धि चंपारण प्रमंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम भावना, कड़ी मेहनत और जनसंपर्क कौशल का परिणाम है। उन्होंने कहा कि डाक विभाग की बीमा योजनाओं के प्रति जनता का बढ़ता विश्वास और कर्मचारियों की अथक मेहनत ही इस सफलता की आधारशिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चंपारण प्रमंडल भविष्य में भी इसी प्रकार नए कीर्तिमान स्थापित कर बिहार परिमंडल में अपनी अग्रणी भूमिका बनाए रखेगा। इस अवसर पर उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके योगदान की सराहना की। इस उपलब्धि को और अधिक गौरवपूर्ण बनाते हुए 12 जून 2026 को डाक अधीक्षक मुकेश कुमार लस्कर द्वारा उन सभी डाक कर्मियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अभियान के दौरान एक लाख रुपये से अधिक का प्रीमियम अर्जित किया था। चंपारण प्रमंडल, मोतिहारी की यह सफलता बिहार डाक परिमंडल के लिए गर्व का विषय बन गई है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि समर्पित नेतृत्व, प्रभावी टीमवर्क और जनसेवा की भावना के बल पर बड़े से बड़े लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

हरसिद्धि में बिजली के करंट से 11 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ हरसिद्धि।

थाना क्षेत्र के पकड़िया पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-17 स्थित कुबरा टोला में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 11 वर्षीय बच्ची की बिजली करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृत बच्ची की पहचान मुस्तकीम मियां की 11 वर्षीय पुत्री सलोनी खातून के रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार सुबह सलोनी अपने घर मे टूटे हुए बिजली के तार के चपेट मे आ गयी। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। बताया जाता है कि घटना के समय सलोनी के माता-पिता खेत में काम करने गए थे। हादसे की सूचना मिलते ही वे घर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी इकलौती बेटी की मौत हो चुकी थी। बेटी का शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर बिजली के तार जर्जर स्थिति में हैं। उनका आरोप है कि टूटे तार की समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। लोगों ने बिजली विभाग से जर्जर तारों की नियमित जांच और तत्काल मरम्मत की मांग करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है। घटना की सूचना मिलने पर हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची।थानाध्यक्ष सुनील कुमार के निर्देश पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है

धान की रोपनी में किसानों के बीच पहुंचे जिला कृषि पदाधिकारी, प्राकृतिक खेती अपनाने पर दिया बल

बीएनएम@ बेतिया।

पश्चिम चंपारण जिले में इन दिनों धान की रोपनी का कार्य पूरे उत्साह और तेजी से चल रहा है। खेतों में किसानों की व्यस्तता और हरियाली की तैयारियों के बीच कृषि विभाग भी किसानों के साथ कदम से कदम मिलाकर उनकी समस्याओं के समाधान एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार में जुटा हुआ है। इसी क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी सरफराज असगर ने बगहा-2 प्रखंड के विभिन्न पंचायत क्षेत्रों का भ्रमण कर धान रोपनी कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं खेत में उतरकर किसानों के साथ धान की रोपनी में भाग लिया, जिससे किसानों में उत्साह का संचार हुआ। किसानों ने भी उनका स्वागत करते हुए अपनी कृषि संबंधी समस्याएं, अनुभव और सुझाव साझा किए। क्षेत्र भ्रमण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर वर्तमान कृषि परिदृश्य, मौसम की स्थिति तथा धान की बेहतर पैदावार के लिए अपनाई जाने वाली वैज्ञानिक तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाना है। उन्होंने किसानों से विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों को प्राकृतिक खेती के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है, जबकि प्राकृतिक खेती भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ-साथ उत्पादन लागत को भी कम करती है। उन्होंने किसानों को गोबर, जीवामृत, घनजीवामृत एवं अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादित कृषि उपज की बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होने की संभावना रहती है। साथ ही यह खेती मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। भ्रमण के दौरान किसानों ने कृषि विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों का खेतों तक पहुंचना और सीधे किसानों से संवाद करना उनके लिए काफी लाभदायक साबित हो रहा है। किसानों ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं तकनीकी मार्गदर्शन के लिए जिला कृषि पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया। अंत में जिला कृषि पदाधिकारी ने किसानों से मौसम आधारित कृषि सलाह का पालन करने, प्रमाणित बीजों का उपयोग करने तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की, ताकि जिले में कृषि उत्पादन और किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो सके।

अरेराज में व्यवहार न्यायालय निर्माण की दिशा में बढ़े कदम, वरीय अधिकारियों ने किया प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण

बीएनएम@ अरेराज।

अरेराज अनुमंडल क्षेत्र में प्रस्तावित व्यवहार न्यायालय (सब-डिवीजनल कोर्ट) के निर्माण की दिशा में प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। न्यायालय भवन के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण करने हेतु शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पूर्वी चंपारण के साथ जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अरेराज पहुंचे और प्रस्तावित स्थल का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) एवं अंचल अधिकारी (सीओ), अरेराज ने वरीय अधिकारियों को प्रस्तावित भूमि की वर्तमान स्थिति, चौहद्दी तथा प्रशासनिक रिपोर्ट की जानकारी दी। अधिकारियों ने भूमि की भौगोलिक स्थिति, कुल क्षेत्रफल, पहुंच मार्ग की उपलब्धता, वर्तमान उपयोग, सीमांकन एवं भूमि अर्जन से जुड़े तकनीकी एवं कानूनी पहलुओं का गहन अवलोकन किया। साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए न्यायालय परिसर की स्थापना के लिए भूमि की उपयुक्तता का भी मूल्यांकन किया गया।

स्थल निरीक्षण के उपरांत जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने भूमि अर्जन एवं अनापत्ति प्रमाणपत्र से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को नियमानुसार एवं त्वरित गति से पूरा करने का निर्देश दिया, ताकि व्यवहार न्यायालय की स्थापना का कार्य जल्द शुरू किया जा सके।

गौरतलब है कि मोतिहारी जिला मुख्यालय अनुमंडल को छोड़कर पूर्वी चंपारण जिले के अन्य पांच अनुमंडलों—अरेराज, रक्सौल, ढाका, चकिया एवं पकड़ीदयाल में अनुमंडल न्यायालयों के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रत्येक न्यायालय परिसर एवं आवासीय व्यवस्था के लिए लगभग छह एकड़ भूमि की आवश्यकता निर्धारित की गई है। इसी क्रम में अरेराज अनुमंडल क्षेत्र में चिन्हित भूमि का महत्वपूर्ण निरीक्षण संपन्न हुआ।

अरेराज में व्यवहार न्यायालय की स्थापना होने से स्थानीय नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में न्यायिक कार्यों के लिए लोगों को जिला मुख्यालय मोतिहारी का रुख करना पड़ता है, लेकिन न्यायालय की स्थापना के बाद अरेराज एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही सुलभ, त्वरित एवं सुविधाजनक न्यायिक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

आईसीडीएस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 138 कर्मियों का स्थानांतरण, 18 जून तक योगदान का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला प्रशासन, पूर्वी चम्पारण ने समेकित बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों का व्यापक स्तर पर स्थानांतरण किया है। प्रशासन ने कार्यालय प्रबंधन को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जन-केन्द्रित बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार आईसीडीएस के चार संवर्गों के कुल 138 कर्मियों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें 11 सांख्यिकी सहायक एवं लिपिक, 21 प्रखंड समन्वयक (एनएनएम), 24 डाटा एंट्री ऑपरेटर/कार्यपालक सहायक तथा 82 महिला पर्यवेक्षिकाएँ शामिल हैं। जिला प्रशासन ने सभी स्थानांतरित कर्मियों को निर्देश दिया है कि वे 18 जून 2026 तक अपने समस्त प्रभार का विधिवत हस्तांतरण अथवा ग्रहण कर नव-पदस्थापित कार्यालय में अनिवार्य रूप से योगदान सुनिश्चित करें। प्रशासन ने संबंधित कार्यालय प्रधानों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि स्थानांतरण प्रक्रिया के दौरान किसी भी स्थिति में कार्यालय का सामान्य कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। साथ ही, स्थानांतरित कर्मियों के जुलाई 2026 माह के वेतन एवं अन्य देयकों का भुगतान उनके नए पदस्थापन कार्यालय से किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि पूर्व में जारी सभी प्रतिनियुक्ति आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त माने जाएंगे। संबंधित कार्यालय प्रधानों को शीघ्र अनुपालन प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब को अनुशासनहीनता मानते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर कट्टा लहराना पड़ा महंगा, युवक गिरफ्तार

बीएनएम@ रामगढ़वा। सोशल मीडिया पर अवैध हथियार के साथ फोटो पोस्ट कर धौंस जमाना एक युवक को महंगा पड़ गया। पलनवा थाना क्षेत्र के खरखटवा गांव निवासी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, खरखटवा गांव निवासी रामानंद बैठा के पुत्र रोहित कुमार ने अवैध कट्टे के साथ अपनी तस्वीर खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। तस्वीर वायरल होने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया और मामला पुलिस के संज्ञान में आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना एवं तकनीकी निगरानी के आधार पर पुलिस ने खरखटवा गांव में छापेमारी कर आरोपी रोहित कुमार को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

हथियारों के प्रदर्शन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर दहशत फैलाने वाले लोगों पर पुलिस की कड़ी नजर है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तारी अभियान में अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल रहे। **पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।**

जनता दरबार में 63 मामलों की सुनवाई, त्वरित निष्पादन के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित "जनता के दरबार में जिला प्रशासन" कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में जिला के विभिन्न अंचलों से आए लोगों की समस्याओं की सुनवाई की गई। इस कार्यक्रम में कुल 63 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर प्रशासनिक अधिकारियों ने गंभीरता से विचार किया। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती ने की। इस दौरान वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी एवं विकास कुमार भी उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान अपर समाहर्ता ने कई मामलों में संबंधित पदाधिकारियों से सीधे दूरभाष पर संपर्क कर शिकायतों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्राप्त आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम-पीजीआरओ ने कहा कि सभी शिकायतों पर संबंधित विभागीय पदाधिकारियों के स्तर से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी तथा विधिसम्मत तरीके से समस्याओं का जल्द समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद एवं राजस्व विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। इन मामलों के शीघ्र निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए जिला जन शिकायत कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी को अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

जून माह के 60% खाद्यान्न का हुआ वितरण, 84% लाभुकों का ई-केवाईसी पूर्ण

- सदर अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक में राशन वितरण, ई-केवाईसी एवं नए राशन कार्ड आवेदनों की समीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी।

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को सदर अनुमंडल अनुश्रवण समिति की बैठक अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में खाद्यान्न वितरण, राशन कार्ड, ई-केवाईसी एवं गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि सदर अनुमंडल क्षेत्र में जून माह के लिए निर्धारित खाद्यान्न का लगभग 60 प्रतिशत वितरण पूरा कर लिया गया है। वहीं, राशन कार्डधारियों में करीब 84 प्रतिशत लाभुकों का ई-केवाईसी कार्य भी संपन्न हो चुका है। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को जून माह के खाद्यान्न वितरण को शीघ्र पूरा करने तथा शेष राशन कार्डधारियों का ई-केवाईसी अभियान तेज गति से संचालित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने घरेलू एवं व्यावसायिक गैस की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने नए राशन कार्ड बनाने तथा राशन कार्ड में नाम जोड़ने से संबंधित आवेदनों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि पात्र लाभुकों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के साथ-साथ अपात्र कार्डधारियों को नोटिस जारी कर उनके राशन कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई भी तेजी से की जा रही है। बैठक में 17 एवं 18 जून को प्रखंड स्तर पर सहयोग-सह-जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाने की जानकारी भी दी गई। अंत में अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को खाद्यान्न वितरण एवं शेष लाभुकों के ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने का निर्देश देते हुए बैठक समाप्त की।

शराब के नशे में कोर्ट पहुंचा एसएसबी का सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार, न्यायाधीश के आदेश पर भेजा गया जेल

बीएनएम@ बेतिया।

स्थानीय व्यवहार न्यायालय में गवाही देने पहुंचे सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक सब इंस्पेक्टर को शराब के नशे में पाए जाने पर न्यायाधीश के आदेश पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक मामले में गवाही देने के लिए एसएसबी का सब इंस्पेक्टर न्यायालय में उपस्थित हुआ था। गवाही के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं। बताया जाता है कि वह न्यायालय के कटघरे में ठीक से बोल नहीं पा रहा था, लड़खड़ा रहा था तथा संतुलित ढंग से गवाही देने में असमर्थ था।

उसकी स्थिति को देखते हुए न्यायाधीश ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई का आदेश दिया। न्यायालय परिसर में तैनात पुलिसकर्मियों ने न्यायाधीश के निर्देश पर संबंधित सब इंस्पेक्टर को हिरासत में ले लिया।

इसके बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। घटना के बाद न्यायालय परिसर में कुछ समय के लिए चर्चा का माहौल बना रहा। **मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।**

अरेराज में दिखा 'सात निश्चय-3' का असर, जन-सुनवाई में एसडीपीओ ने सुनीं लोगों की समस्याएं

बीएनएम@ अरेराज।

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'सात निश्चय-3' के तहत प्रशासनिक पारदर्शिता और जनसरोकार को मजबूत करने की दिशा में अरेराज अनुमंडल कार्यालय में आयोजित विशेष जन-सुनवाई में बड़ी संख्या में फरियादी पहुंचे। कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार ने स्वयं लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का त्वरित निष्पादन कराया। जन-सुनवाई में मुख्य रूप से भूमि विवाद, कानून-व्यवस्था से जुड़े मामले तथा थानों एवं सरकारी कार्यालयों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं से संबंधित शिकायतें सामने आईं। एसडीपीओ रवि कुमार ने सभी मामलों की गंभीरता से समीक्षा की और कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली।

भूमि विवाद से जुड़े जटिल मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए एसडीपीओ ने संबंधित सर्किल इंस्पेक्टरों एवं थाना प्रभारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता को न्याय के लिए अनावश्यक रूप से भटकाने वाले अधिकारियों के प्रति सख्ती बरती जाएगी तथा प्रत्येक पीड़ित को समय पर न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार अब प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को अंचल एवं अनुमंडल स्तर पर नियमित जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बिचौलियों या अनावश्यक प्रक्रियाओं का सामना न करना पड़े। अरेराज अनुमंडल में पुलिस एवं प्रशासन की इस सक्रिय पहल से आम लोगों का भरोसा बढ़ा है। जन-सुनवाई के दौरान सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम समर्थ, अजय कुमार सिंह, मुनिर आलम सहित विभिन्न थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी, जवान एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल बैंक खातों के मामले में दो गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी। साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल बैंक खातों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर साइबर अपराधियों के लिए अपने बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम प्राप्त करने और उसे नकद निकालकर अपराधियों तक पहुंचाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, आर्थिक अपराध इकाई, पटना से प्राप्त निर्देश के आलोक में अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। जांच के दौरान रक्सौल थाना क्षेत्र के मौजे निवासी राहुल कुमार तथा रतनपुर हरदिया निवासी श्यामबाबू कुमार के बैंक खातों का सत्यापन एवं पूछताछ की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपित साइबर ठगी की रकम अपने खातों में मंगवाते थे और बाद में चेक एवं एटीएम के माध्यम से नकद निकालकर साइबर अपराधियों को सौंप देते थे। इसके बदले उन्हें मोटी रकम कमीशन के रूप में मिलती थी। तकनीकी जांच में यह भी पाया गया कि दोनों बैंक खातों के विरुद्ध महाराष्ट्र, गुजरात और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में शिकायतें दर्ज हैं। इसके बाद साइबर थाना कांड संख्या 103/26 दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, मामले में दो पुरुष और एक महिला अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में उर्स मेले के दौरान हुए विवाद में एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो पुरुष एवं एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 11 जून की रात मधुबन थाना क्षेत्र के जोगीलिया टोला गुलाब खाँ में आयोजित उर्स मेले में झूला पर चढ़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद हिंसक रूप ले लिया और साह फहद खाँ (पिता- शाहने आलम), निवासी जोगीलिया टोला गुलाब खाँ, पर चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल कुमार चंदन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान मामले में नामजद अभियुक्त मंसूर आलम, एकराम खाँ तथा अंजुम आरा उर्फ गुड़िया खातून को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त खून लगा एक चाकू भी बरामद किया है। वहीं, हत्या कांड में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में मधुबन थाना कांड संख्या 223/26 दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है तथा सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार चंदन, अंचल पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार प्रसाद, थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार पाण्डेय, अपर थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार, पुलिस पदाधिकारी वर्षा कुमारी, गिरीन्द्र कुमार सिंह सहित मधुबन थाना के सशस्त्र बल एवं महिला पुलिसकर्मी शामिल थे।

सर्पदंश से किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बीएनएम@ मोतिहारी। बंजरिया प्रखंड के सिंघिया सागर गांव में सर्पदंश से एक 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान सिंघिया सागर वार्ड संख्या-3 निवासी रमेश साह के पुत्र प्रमीत कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमीत घर के पास स्थित एक एल्युमिनियम दुकान में सहायक के रूप में काम करता था और परिवार की आजीविका में सहयोग करता था। बताया जाता है कि सोमवार की शाम करीब 6:30 बजे वह दुकान में काम के दौरान औजार लेने गया था। इसी दौरान घात लगाए बैठे सांप ने उसे डंस लिया। सर्पदंश की जानकारी मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग उसे तत्काल इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। **किशोर की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है।**

ऑपरेशन मुस्कान से खिले 1965 चेहरों पर मुस्कान

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस का "ऑपरेशन मुस्कान" खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के मामले में लगातार सफलता हासिल कर रहा है। जून 2023 से जून 2026 तक चले अभियान के 20 चरणों में कुल 1965 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए हैं। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 3 करोड़ 85 लाख 61 हजार रुपये बताई गई है। अभियान की शुरुआत 12 जून 2023 को हुई थी। पहले चरण में 56 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए गए थे। इसके बाद तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से लगातार मोबाइलों की बरामदगी की जाती रही। 12 जून 2026 को आयोजित 20वें चरण में 108 मोबाइल फोन उनके मालिकों को सौंपे गए। पुलिस अभिलेखों के अनुसार वर्ष 2023 में आठ चरणों में 678 मोबाइल, वर्ष 2024 में चार चरणों में 438 मोबाइल, वर्ष 2025 में छह चरणों में 614 मोबाइल तथा वर्ष 2026 में अब तक दो चरणों में 226 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए जा चुके हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीईआईआर पोर्टल, तकनीकी जांच और विभिन्न थानों के समन्वित प्रयासों से बड़ी संख्या में मोबाइल बरामद करने में सफलता मिली है। अभियान से हजारों लोगों को राहत मिली है और पुलिस के प्रति जनता का विश्वास भी मजबूत हुआ है। मोतिहारी पुलिस ने कहा है कि "ऑपरेशन मुस्कान" आगे भी जारी रहेगा तथा खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

तुरकौलिया बाजार में छापेमारी, भारी मात्रा में सीएट कम्पनी का नकली ट्यूब बरामद

बीएनएम@ तुरकौलिया। तुरकौलिया बाजार में नकली टायर-ट्यूब के कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ है। सीएट कम्पनी के अधिकृत अधिकारी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो दुकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में बाइक के नकली ट्यूब बरामद किए गए। मामले में कम्पनी के अधिकारी के आवेदन पर तुरकौलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीएट कम्पनी के अधिकृत अधिकारी धीरज शुक्ला, निवासी पारू (मुजफ्फरपुर), को गुप्त सूचना मिली थी कि तुरकौलिया बाजार में कम्पनी के नाम पर नकली टायर एवं ट्यूब बेचे जा रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद उन्होंने तुरकौलिया पुलिस के साथ संयुक्त रूप से दुर्गा मंदिर के समीप स्थित दो दुकानों सत्यम मोटर्स एवं शर्मा मोटर साइकल में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दोनों दुकानों से सीईएट कम्पनी के नाम पर बेचे जा रहे बड़ी संख्या में नकली ट्यूब बरामद किए गए। इसके बाद सत्यम मोटर्स के संचालक बच्चा सिंह तथा शर्मा मोटर साइकल के संचालक मोहदी शर्मा को मामले में नामजद अभियुक्त बनाया गया है। कम्पनी के अधिकारी धीरज शुक्ला ने बताया कि नकली उत्पादों की बिक्री से कम्पनी की साख को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि कम्पनी इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है और आगे भी अभियान जारी रहेगा।

वहीं, तुरकौलिया थानाध्यक्ष सम्पत कुमार ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद स्थानीय व्यापारियों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने संकेत दिया है कि क्षेत्र में नकली उत्पादों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि उपभोक्ताओं को ठगी से बचाया जा सके और बाजार में असली उत्पादों की बिक्री सुनिश्चित हो सके।

जमीन परिमार्जन के नाम पर रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

बीएनएम@ पटना/नवादा।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार को एक बड़ी सफलता मिली है। ब्यूरो की विशेष टीम ने नवादा सदर अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तारी शुक्रवार को नवादा सदर अस्पताल के सामने सड़क किनारे की गई। आरोपी के विरुद्ध निगरानी थाना कांड संख्या 072/26, दिनांक 10 जून 2026 दर्ज है।

बताया गया कि नवादा जिले के धधौली निवासी शंकर पासवान ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी जमीन के परिमार्जन कार्य के बदले राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही है।

शिकायत प्राप्त होने के बाद निगरानी ब्यूरो ने मामले का सत्यापन कराया। जांच के दौरान रिश्वत मांगने के आरोप की पुष्टि होने पर प्राथमिकी दर्ज की गई तथा पुलिस उपाधीक्षक नरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में विशेष धावादल का गठन किया गया।

पूर्व निर्धारित योजना के तहत धावादल ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राजस्व कर्मचारी को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने बताया कि आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को माननीय विशेष न्यायालय, निगरानी, पटना में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है। **निगरानी ब्यूरो की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।**

ऑपरेशन मुस्कान के तहत 108 खोए मोबाइल बरामद, मालिकों को सौंपे गए

बीएनएम@ मोतिहारी।

पूर्वी चम्पारण पुलिस ने "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए 108 खोए एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल फोन की खोजबीन कर उन्हें बरामद किया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में बरामद मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। मोबाइल प्राप्त करने वालों में 23 विद्यार्थी, पांच गृहिणी, एक किसान, दो सरकारी कर्मी, 13 व्यवसायी, पांच निजी कर्मचारी, दो अधिवक्ता, दो चालक, नौ मजदूर तथा 46 अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मोतिहारी पुलिस द्वारा संचालित "ऑपरेशन मुस्कान" के 20 चरणों में अब तक कुल 1965 मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। इन मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 3 करोड़ 85 लाख 61 हजार रुपये है। पुलिस ने कहा कि आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। बरामदगी अभियान में जिला आसूचना इकाई के प्रभारी करण कुमार सिंह, निक्कु कुमार सिंह, ललन कुमार, दिव्या कुमारी तथा जिले के सभी थानाध्यक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस के अनुसार, बरामद 108 मोबाइलों में से 21 मोबाइल विशेष अभियान के तहत तथा 97 मोबाइल सीईआईआर (CEIR) पोर्टल के माध्यम से बरामद किए गए।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9470248818 पर सूचना दें अथवा सीईआईआर पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।

बाल श्रम उन्मूलन के लिए लगातार चलाएं अभियान, शिकायत मिलते ही करें कार्रवाई : एडीएम

बीएनएम@ मोतिहारी।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर शुक्रवार को श्रम संसाधन विभाग की ओर से जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) मो. सिबगतूल्लाह एवं कारखाना निरीक्षक ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि बाल श्रम समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसके उन्मूलन के लिए गठित धावा दल को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए तथा कहीं भी बच्चों से मजदूरी कराए जाने की सूचना मिलने पर तत्काल छापेमारी कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्थान कार्यस्थल नहीं, बल्कि विद्यालय है।

बाल श्रम के विरुद्ध

जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दो प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये वाहन जिले के विभिन्न प्रखंडों में जाकर लोगों को बाल श्रम निषेध कानून, बच्चों के अधिकारों एवं शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करेंगे।

इस अवसर पर बाल श्रम से मुक्त कराए गए दो बच्चों को एफडी की डमी चेक एवं स्कूल बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमुक्त बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा एवं भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान अपर समाहर्ता ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों को बाल श्रम उन्मूलन की शपथ दिलाई और विभागीय दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

श्रम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में 72 तथा वर्ष 2026-27 में अब तक 17 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया है। इस प्रकार कुल 89 बच्चों को बाल श्रम से विमुक्त कर उनके नियोजकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है। सदर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी ज्योति सिंह ने बताया कि जिले भर में विभागीय टीम लगातार निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चला रही है। बाल श्रम की रोकथाम और बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 13 सीएचओ सम्मानित

बीएनएम@ मोतिहारी।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय उपलब्धि प्राप्त करने वाले जिले के 13 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। आरोग्य भवन स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित समारोह में जिलाधिकारी ने सभी चयनित सीएचओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सम्मानित स्वास्थ्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी सीएचओ को अपने-अपने स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्ता मानकों को बरकरार रखने और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध

कराने का निर्देश दिया।

सम्मानित होने वाले सीएचओ में वाटगंज के अमर चौधरी, पकड़ी के महेंद्र सिंह, श्यामपुर के राकेश मोहनपुरिया, विशम्भरपुर की नंदनी कुमारी, चैता के सूरज कुमार पाण्डेय, कैथवलिया के संदीप कुमार, धनहर जिहुली के जाहिद इमाम, पिपरपाती के विजय कुमार शर्मा, बड़कागांव के डॉ. रोहित कुमार, हरनाही के मनीष कुमार पासवान, शेखौना के स्वर्ण प्रभात कुमार, साउथ नोनिया की दीपा कुमारी तथा परसौनी वाजिद के डॉ. वेद प्रकाश शामिल हैं। समारोह में जिला योजना समन्वयक भारत भूषण तथा पिरामल स्वास्थ्य के जिला प्रतिनिधि अरूणेन्द्र कुमार को भी उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.एन. सत्यार्थी, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. शरद चन्द्र शर्मा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक ठाकुर विश्वमोहन, जिला लेखा प्रबंधक अभिजीत भूषण, जिला प्रतिनिधि सी-3 आदित्य राज सहित जिला स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

स्नातक सत्र 2026-30 के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन हेतु प्रथम मेधा सूची जारी

बीएनएम@मोतिहारी।

स्नातक सत्र 2026-30 के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम मेधा सूची जारी कर दी गई है। शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृगेंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम मेधा सूची के आधार पर 12 जून से 20 जून 2026 तक नामांकन प्रक्रिया संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं के पास सीएलसी अथवा माइग्रेशन प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं है, उन्हें स्व-शपथ पत्र के आधार पर नामांकन की अनुमति दी गई है। ऐसे विद्यार्थियों को 15 दिनों के भीतर संबंधित प्रमाणपत्र जमा करना होगा। संवाद प्रेषित करते महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन शुल्क जमा करने के बाद सभी आवश्यक दस्तावेजों का महाविद्यालय में सत्यापन कराना होगा तथा सत्यापित दस्तावेज काउंटर संख्या 3 एवं 4 पर जमा करने होंगे।

पहाड़पुर में एस्क्लेपियस वेलनेस के स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन, उत्कृष्ट डिस्ट्रीब्यूटर सम्मानित

बीएनएम@ पहाड़पुर।

प्रखंड क्षेत्र के ब्रजशीला भवन परिसर में गुरुवार को एस्क्लेपियस वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने वाले डिस्ट्रीब्यूटरों को केक काटकर सम्मानित किया गया तथा आयुर्वेद आधारित स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन एस्क्लेपियस वेलनेस के चम्पारण फाइटर अरविंद कुमार राय उर्फ अमूल राय के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर विलासपुर लालकोठी निवासी अरविंद कुमार राय को उनकी उपलब्धियों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में कोटवा पंचायत के सरपंच राजेश कुमार उर्फ राजू सिंह के पुत्र कौस्तुभ पराशर उर्फ रोहन सिंह, चंदेश्वर ठाकुर (चटिया), राणा शाही (पहाड़पुर), धनंजय सिंह (इंद्रगाछी), लव कुमार पांडेय (मोतिहारी) तथा रंजीत कुमार (जगदीशपुर) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर को संबोधित करते हुए आयुष चिकित्सक डॉ. वीरेन्द्र कुमार सिन्हा ने कहा कि बदलती जीवनशैली, बढ़ते तनाव, अनियमित खान-पान और तकनीक पर बढ़ती निर्भरता के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे समय में आयुर्वेद स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की समग्र कला है।

अरविंद कुमार राय ने बताया कि एस्क्लेपियस वेलनेस आयुर्वेद आधारित उत्पादों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और स्वरोजगार दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। कंपनी गुणवत्ता, शोध एवं आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद उपलब्ध करा रही है।

कार्यक्रम में सरपंच राजेश कुमार उर्फ राजू सिंह, कौस्तुभ पराशर उर्फ रोहन सिंह, संदीप ठाकुर, मनु ठाकुर, राजेश राम, धनंजय कुमार, विधि कुमार, अभिषेक कुमार तिवारी, सुरेश पासवान, फिरोज आलम, सबाना खान, सुरभी पाण्डेय, नौसाद अहमद सिद्दीकी, म. फरमान, दिलीप सिंह (एलटी, सीएचसी पहाड़पुर) तथा दिवाकर पंडित (एक्स-रे टेक्नीशियन, सीएचसी पहाड़पुर) सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

हरसिद्धि थाना में सार्वजनिक किचन का शुभारंभ

बीएनएम@ हरसिद्धि। स्थानीय थाना परिसर में शुक्रवार को सार्वजनिक किचन "कॉमन मेस" का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन अरेराज के डीएसपी रवि कुमार ने किया। इस अवसर पर थाना के अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने नई व्यवस्था का स्वागत किया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर थाना में सार्वजनिक किचन की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को समय पर स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अब तक कई अधिकारी एवं जवान अलग-अलग स्थानों पर जाकर भोजन करते थे, जिससे समय की बर्बादी होती थी। वहीं कुछ पुलिसकर्मी, जिनके परिवार साथ नहीं रहते हैं, उन्हें होटल या बाहर के भोजन पर निर्भर रहना पड़ता था। नई व्यवस्था से सभी को एक ही स्थान पर बेहतर भोजन उपलब्ध होगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि सार्वजनिक किचन के संचालन से थाना में कार्यरत महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों के साथ- साथ सभी अधिकारी एक साथ बैठकर भोजन करेंगे। इससे आपसी समन्वय, अनुशासन और पारिवारिक माहौल को भी बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन के दौरान अधिकारियों ने कहा कि पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई है। इससे जवानों का मनोबल बढ़ेगा तथा वे अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे। पुलिस कर्मियों ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि एक साथ भोजन करने की व्यवस्था से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि आपसी संवाद और टीम भावना भी मजबूत होगी।

बिजली की चपेट में आने से 11 वर्षीय बच्ची की मौत, गांव में पसरा मातम

बीएनएम@ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के पकड़िया टोला कुबरा वार्ड संख्या 17 में शुक्रवार सुबह बिजली की चपेट में आने से एक 11 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका की पहचान सलोनी (11 वर्ष), पिता मुस्तकीम मियां, निवासी पकड़िया टोला कुबरा, के रूप में हुई है। परिजनों एवं ग्रामीणों के अनुसार, सलोनी घर में झाड़ू-पोछा कर रही थी। इसी दौरान वह किसी विद्युत प्रवाह की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। जब तक उसे बचाने का प्रयास किया जाता, उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार, घटना के समय बच्ची के माता-पिता खेत में मजदूरी करने गए हुए थे। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों घर पहुंचे। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बच्ची किस परिस्थिति में विद्युत प्रवाह की चपेट में आई। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

मोतिहारी में अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, सड़क के दोनों किनारे कराए गए अतिक्रमणमुक्त

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए छतौनी-ढाका रोड के दोनों किनारों से अतिक्रमण हटाया। जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। अतिक्रमण हटाओ अभियान सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) निशांत सिहारा के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान के दौरान दंडाधिकारी अब्दुल क्यूम की मौजूदगी में प्रशासनिक टीम ने छतौनी-ढाका रोड के दोनों किनारों को अतिक्रमणमुक्त कराया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण के कारण यातायात प्रभावित हो रहा था तथा आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अभियान के तहत अवैध रूप से बनाए गए ढांचे और अतिक्रमण को हटाकर सड़क को खाली कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि और सड़कों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही लोगों से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा नहीं करने की अपील की गई है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सांसद ने प्रबुद्ध नागरिकों को किया सम्मानित

बीएनएम@रामगढ़वा।

केंद्र की मोदी सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को पश्चिम चंपारण के सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने रामगढ़वा प्रखंड में विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न पंचायतों के प्रबुद्ध नागरिकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान सांसद ने आमोदेई स्थित प्रतिष्ठित व्यवसायी रामेश्वर प्रसाद गुप्ता, आर्य समाज रामगढ़वा के प्रधान ब्रजेश गुप्ता, जेपी सेनानी एवं पूर्व पत्रकार अर्जुन सिंह भारतीय, जिला परिषद सदस्य के पति बबलू सिंह, पूर्व मुखिया विजय प्रसाद सहित कई गणमान्य लोगों से मुलाकात की। इस अवसर पर सभी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के बाद सांसद ने केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्षों की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं, गरीब कल्याण कार्यक्रमों तथा राष्ट्रहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी भी लोगों को दी। कार्यक्रम में भाजपा के रक्सौल जिला अध्यक्ष अशोक पांडेय, हरिमोहन भगत उर्फ राजू भगत, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ, प्रखंड अध्यक्ष विजय प्रसाद, मनोज सिंह, पुष्पेंद्र तिवारी, मुन्नू पाठक, आश्विन झा, सोनू कुमार, राजा सहनी, आनंद ओझा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी ने सहयोग शिविर की तैयारियों की समीक्षा की

बीएनएम@मोतिहारी।

केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाले सहयोग शिविर की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जिला के छौड़ादानो प्रखंड कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल मनीष कुमार ने की। बैठक में आगामी 16 जून को निर्धारित सहयोग शिविर तथा 17 एवं 18 जून को प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले विभागीय शिविरों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान प्रखंड स्तरीय सभी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अनुमंडल पदाधिकारी ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय पत्र के आलोक में केंद्र एवं राज्य सरकार की व्यक्तिगत कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विभाग अपने-अपने स्टॉल 17 एवं 18 जून को प्रखंड मुख्यालय परिसर में लगाना सुनिश्चित करें। साथ ही लाभुकों के आवेदन प्राप्त करने, निबंधन, सत्यापन एवं ई-केवाईसी से संबंधित कार्यों का निष्पादन कर निर्धारित समय पर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से पात्र लाभुकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ सुलभ एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ तैयारी पूरी करें, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

आय एवं व्यय के आंकड़े

आय कर रिटर्न्स से उभरा रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल हुए आयकर रिटर्न्स से देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की झलक मिली है। एक अंग्रेजी वित्तीय अखबार के विश्लेषण के मुताबिक पांच लाख रुपये तक आमदनी वाले व्यक्तियों के रिटर्न की संख्या 2024-25 की तुलना में गिर कर लगभग आधी रह गई है। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि गुजरे वित्त वर्ष में सरकार के आय कर दरों में बढ़ोतरी करने की वजह से बहुत से लोगों के लिए रिटर्न फाइल करने की अनिवार्यता नहीं रह गई। मगर इससे यह भी जाहिर होता है कि लोगों के क्रमिक रूप से ऊपर के आय वर्ग में शामिल होने का क्रम टूटा हुआ है।

2019-20 के बाद से 2022-25 तक पांच लाख से कम आबादी वाले वर्ग की ओर से सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल होते थे। मगर अब पांच से दस लाख रुपये के बीच की आमदनी वाले समूह ने यह स्थान हासिल कर लिया है। 2024-25 में इस आय वर्ग में चार करोड़ 75 लाख रिटर्न फाइल हुए थे, जो पिछले वर्ष पांच करोड़ 45 लाख तक पहुंच गए। रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। 2011-12 में हर दस लाख आबादी पर 649 परिवारों के 775 लोगों ने हवाई यात्रा की थी। तब कुल छह करोड़ 80 लाख हवाई यात्राएं हुईं। 2023-24 में हवाई यात्राओं की संख्या 15 करोड़ 37 लाख तक पहुंच गई। लेकिन ये यात्राएं हर दस लाख आबादी में 471 लोगों ने की, जो 469 परिवारों से आए। मतलब यह कि 2011 में हवाई यात्राओं की संख्या भले कम थी, मगर आबादी के हिसाब से यात्रियों का अनुपात कहीं बड़ा था। महंगी कारों एवं अन्य उपभोक्ता चीजों की खरीदारी के आंकड़ों से भी इसी रुझान का संकेत मिलता है। इसीलिए सरकार के विषमता घटने के दावों पर यकीन करना मुश्किल होता गया है। मसलन, पारिवारिक उपभोग खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2023-24 में ऐसा दावा किया गया। जबकि आय एवं व्यय के अन्य आंकड़े कुछ और कहानी बताते हैं।

भारत की सेवा में विज्ञान के 12 वर्ष

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब जम्मू के डोडा जिले की एक लैवेंडर किसान मौसम के पहले फूल तोड़ती है, तब वह विज्ञान नीति के बारे में नहीं सोचती। लेकिन सच यह है कि केंद्र शासित प्रदेश की बंजर पहाड़ियों को बैंगनी फूलों की सुगंधित खेती में बदलने के पीछे पिछले एक दशक में किया गया उद्देश्यपूर्ण और दूरदर्शी वैज्ञानिक निवेश ही है। यह ग्रामीण आजीविका में आई ऐसी क्रांति है, जिसकी शुरुआत एक प्रयोगशाला से हुई थी। असल में, भारत में पिछले बारह वर्षों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का यही अर्थ है। विज्ञान केवल ज्ञान बढ़ाने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह हमारे नागरिकों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने वाली एक जीवंत और प्रभावशाली शक्ति बन गया है।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला, तब उन्होंने एक ऐसी सोच प्रस्तुत की जिसमें विज्ञान को केवल किसी विभाग का काम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन माना गया। इसके बाद के वर्षों में इस दृष्टि ने ऐसे परिणाम दिए, जो एक पीढ़ी पहले असाधारण माने जाते। आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतार चुका है, पहली बार अपनी स्वदेशी एंटीबायोटिक विकसित कर चुका है, पुणे से पटना तक सुपरकंप्यूटर स्थापित कर चुका है और एक ऐसे अंतरिक्ष अर्थतंत्र का निर्माण कर चुका है जिसमें देशी स्टार्टअप्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उपलब्धियों की असली कहानी यह नहीं है कि हमने क्या हासिल किया, बल्कि यह है कि इन उपलब्धियों ने आम नागरिकों के जीवन को किस तरह प्रभावित किया। विज्ञान अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय विकास और नागरिक सशक्तिकरण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन चुका है। किसानों का उदाहरण लें। भारतीय कृषि में मौसम हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। पिछले एक दशक में पृथ्वी अवलोकन (अर्थ ऑब्जर्वेशन) और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप आज किसानों को सटीक और स्थानीय स्तर पर मौसम की जानकारी मिल रही है। यह केवल संभावनाओं पर आधारित अनुमान नहीं, बल्कि इतनी सटीक जानकारी है कि कोई किसान परिवार यह तय कर सकता है कि फसल आज काटनी है या कल तक इंतजार करना है।

आज यदि बंगाल की खाड़ी में कोई चक्रवात बनता है, तो हमारी आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियां तटीय समुदायों को कई घंटे, और कई बार कई दिन पहले ही सचेत कर देती हैं। इसका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता; इसका वास्तविक मूल्य उन अनगिनत जानों और आजीविकाओं में दिखाई देता है जो समय रहते बचाई जा रही हैं। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों और नदी घाटियों में विज्ञान ने अरोमा मिशन के रूप में दस्तक दी। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लैवेंडर की खेती से जोड़ा गया तथा उन्हें तकनीक, बेहतर बीज और बाज़ार तक पहुँच उपलब्ध कराई गई। जो पहल एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी, वह आज भारत की पर्पल रिवोल्यूशन (बैंगनी क्रांति) के रूप में जानी जाती है। इसके माध्यम से हजारों किसान परिवार सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती से सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं। इस समृद्धि के पीछे विज्ञान ने एक शांत लेकिन निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी प्रकार के प्रयासों के तहत केसर की खेती का विस्तार, औषधीय जड़ी-बूटियों का उत्पादन और भारत में पहली बार हींग की खेती की शुरुआत की गई। इन पहलों ने साबित किया है कि यदि नवाचार जमीन से जुड़ा हो, तो वह किसी भी औद्योगिक तकनीक जितना परिवर्तनकारी हो सकता है। विज्ञान के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण केवल कृषि तक सीमित नहीं रहा है। किफायती ग्रामीण आवास के लिए विकसित 3डी-प्रिंटेड घरों के मॉडल से लेकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों तक, तकनीक को उन समस्याओं के समाधान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका सामना समाज के सबसे कमजोर वर्ग करते हैं।

कंप्यूटिंग, सेंसर तकनीक और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ने वाले राष्ट्रीय अंतःविषय साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन के तहत देशभर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने एक हजार से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया है, जो सटीक कृषि, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे हैं। भारत को स्वस्थ बनानाः जैव प्रौद्योगिकी की नई क्रांति

यदि कोई क्षेत्र भारतीय विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति को सबसे प्रभावशाली ढंग से दिखाता है, तो वह जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र है। दशकों तक भारत की फार्मास्युटिकल ताकत मुख्य रूप से विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तक सीमित रही। हम उन दवाओं के जेनेरिक संस्करण बनाते थे, जिनकी खोज दूसरे देशों में होती थी। अब यह कहानी बदल रही है। दशकों में पहली बार भारत में खोजी गई स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन का विकास केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की घोषणा भी है। सरकार के सहयोग से शोधकर्ताओं और उद्योग जगत की साझेदारी से विकसित यह दवा इस बात का प्रमाण है कि भारत की प्रयोगशालाएँ अब केवल दवाएँ बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नई दवाओं की खोज और विकास के वैश्विक अग्रिम मोर्चे पर भी काम कर सकती हैं। यह वह क्षमता है जो दुनिया के केवल कुछ देशों के पास ही है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि देश में हीमोफीलिया के लिए पहली सफल स्वदेशी जीन थेरेपी क्लीनिकल ट्रायल रही, जिसे वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में सम्पन्न किया गया। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके उपचार के लिए मरीजों को जीवनभर महंगे इलाज की आवश्यकता होती है। जीन थेरेपी की विशेषता यह है कि यह बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित करने के बजाय उसके मूल आनुवंशिक दोष को ठीक करने का प्रयास करती है। आनुवंशिक रोगों के बड़े बोझ वाले भारत जैसे देश के लिए यह उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है और भविष्य की चिकित्सा प्रणाली को बदलने की क्षमता रखती है। इसके साथ-साथ जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट के तहत भारत की विविध आबादी से जुड़े 10,000 से अधिक मानव जीनोम का अनुक्रमण किया जा चुका है। इससे देश में ऐसी वैज्ञानिक नींव तैयार हो रही है, जिसके आधार पर भविष्य में प्रत्येक व्यक्ति की जैविक संरचना के अनुसार व्यक्तिगत और अधिक प्रभावी उपचार उपलब्ध कराए जा सकेंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत केवल बीमारियों का इलाज करने की दिशा में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत चिकित्सा के उस युग की ओर बढ़ रहा है, जहां उपचार हर मरीज की आनुवंशिक विशेषताओं के अनुरूप होगा। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी भी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घरेलू जैव-चिकित्सा (बायोमेडिकल) क्षमता कितनी महत्वपूर्ण होती है। भारत की प्रतिक्रिया, अपने स्वयं के टीकों का विकास करना, उनका बड़े पैमाने पर उत्पादन करना और 1.4 अरब लोगों तक उन्हें पहुंचाना, हमारे जैव प्रौद्योगिकी तंत्र में वर्षों से किए गए निवेश का परिणाम थी। इस सफलता के पीछे बॉयोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल(बीआईआरएसी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संस्था ने बायोटेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने, शैक्षणिक शोध और व्यावसायिक उत्पादन के बीच की दूरी कम करने तथा वैज्ञानिक नवाचारों को आम लोगों तक पहुँचाने में अहम योगदान दिया है। आज भारत में जैव-उद्यमियों की एक नई पीढ़ी उभर रही है, जो प्रिसिजन मेडिसिन, टिकाऊ जैव-आधारित सामग्री और अगली पीढ़ी की डायग्नोस्टिक तकनीकों पर काम कर रही है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नवाचार केवल अमेरिका की सिलिकॉन वैली तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के शहरों, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से भी उभर रहा है। इसी दिशा में जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस परियोजना के तहत 10,000 से अधिक भारतीयों के मानव जीनोम का अनुक्रमण किया जा चुका है। भारत जैसी अत्यंत विविध आबादी वाले देश के लिए यह उपलब्धि भविष्य की चिकित्सा व्यवस्था की मजबूत वैज्ञानिक नींव तैयार कर रही है। इससे आने वाले समय में ऐसी स्वास्थ्य सेवाओं का मार्ग प्रशस्त होगा, जहाँ उपचार केवल बीमारी के आधार पर नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय की विशिष्ट आनुवंशिक संरचना के अनुसार तय किया जाएगा। अर्थात भारत व्यक्तिगत चिकित्सा के नए युग की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जहाँ हर मरीज को उसकी जैविक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक सटीक और प्रभावी इलाज मिल सकेगा।

(लेखक भारत सरकार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष विभाग में राज्य मंत्री हैं)

जेन-जी महंगाई और बेरोजगारी से परेशान, सपनों में जी रहा

सनत जैन

पूरी दुनिया में जेन-जी की आबादी चिंता का कारण बनती चली जा रही है। यह युवा आबादी ना तो अपने परिवार के बारे में सोचती है, नाही समाज के बारे में सोचती है, यह केवल अपने बारे में सोचती है। इसके पास शिक्षा की डिग्रियां भी हैं, लेकिन डिग्री के अनुरूप ज्ञान नहीं है। जीवन जीने का कोई अनुभव नहीं है। वह कोई चीज सीखना भी नहीं चाहते हैं। किसी चीज से जुड़ते हैं और उसे जल्दी ही छोड़ देते हैं। उनका सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया और इंटरनेट पर बीत रहा है, जिसके कारण वह सामान्य ज्ञान से भी दूर होते चले जा रहे हैं। वर्तमान की जो युवा पीढ़ी है वह डिग्री लेकर बड़े-बड़े सपने देखती है लेकिन डिग्री के अनुरूप उसके पास ना तो कोई ज्ञान होता है नाही वह कोई काम करना चाहता है जिसके कारण यह युवा पीढ़ी एक बड़ी चिंता का कारण भी बन रही है। जेन-जी को ना तो वामपंथी विचारधारा पर विश्वास है ना ही उसे पूंजीवाद पर विश्वास है, वह पूरी तरह से सेल्फिश होकर केवल अपने बारे में सोचती है। उसे अपने परिवार और मां-बाप की कठिनाइयों से भी कोई सरोकार नहीं रहता है। वह जब भी बात करता है केवल अपने हित की बात करता है। वह अपने माता-पिता और परिवार से दूर रहकर केवल अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार से उतना ही जुड़ता है जो उसकी जरूरत पूरी करने के लिए जरूरी होती हैं।

भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, यूरोपीय देश सभी में जेन-जी के इस बर्ताव से सामाजिक और पारिवारिक व्यवस्था में अब एक तनाव देखने को मिल रहा है। हाल ही में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ पॉलिटिक्स ने 2020 से 2025 के बीच जो सर्वे किया था उसमें यह बात खुलकर सामने आई कि इस युवा पीढ़ी को पूंजीवाद वामपंथ समाजवाद इत्यादि विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। यह केवल अपनी जरूरत से जुड़कर ही अपनी बात रखता है। मेरा किराया कम करो, फीस माफ करो, मुफ्त बस सेवा दो, मुझे नौकरी दो, नौकरी भी सबसे अच्छी वाली चाहिए है, जिसमें बड़ा वेतन मिलता हो, कॉरपोरेट ऑफिस हो। इस तरह की मांग इस युवा पीढ़ी की होती है, लेकिन यह अनुभव प्राप्त करने के लिए अथवा जो भी नौकरी या रोजगार करना चाहता है जो उसके सपने में है उसके लिए वह अपने आपको तैयार भी नहीं कर रहा है। सोशल मीडिया के जरिए उसके सपने बड़े-बड़े हो गए हैं। सारी दुनिया में क्या हो रहा है यह उसे पता है लेकिन उसका केरियर कैसे बनेगा इसके बारे में वह जरा भी गंभीर नहीं है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि यह अपने मां-बाप को भी अपना नहीं मानने के लिए तैयार है, क्योंकि वह उसकी जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में वह उनसे भी नाराज रहकर विद्रोह करने की स्थिति में आ जाता है। वर्तमान में यह वर्ग बढ़ती हुई महंगाई, बेरोजगारी तथा इसका रहन-सहन और खर्च करने की आदत के कारण यह सबसे ज्यादा परेशान है। हाल ही में जो सर्वे हुए हैं उनमें 36 फ़ीसदी युवा इसी स्थिति से गुजर रहा है। यह युवा वर्ग अरबपतियों पर भारी टैक्स लगाने का पक्षधर है। यह बाजारवाद का शिकार हो गया है। सारी दुनियां में जिस तरह से कॉरपोरेट लगातार सामान की कीमत बढ़ाकर मुनाफाखोरी कर रहे हैं, उससे यह युवा वर्ग के टारगेट में आते चले जा रहे हैं। हाल ही में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी निर्वाचित हुए हैं, उनकी जीत में सबसे बड़ा कारण यही बताया जा रहा है कि उन्होंने जेन-जी के इस मनोविज्ञान को समझा उन्होंने इसी वर्ग के लिए सबसे ज्यादा लोक लुभावन वायदे किए। ममदानी ने निम्न वर्ग और मध्य वर्ग को महंगाई से राहत दिलाने की बात की, उन्होंने महंगाई के खिलाफ सभी लोगों को एकजुट किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध के बाद भी उन्होंने न्यूयॉर्क में मेयर के पद के चुनाव में जीत हासिल की। अब उनकी देखा-देखी यूरोप के अन्य देशों में भी चुनाव जीतने के लिए यही फार्मूला अपनाया जा रहा है। ब्रिटेन के ग्रीन पार्टी के नेता जैक पोलंसकी भी चुनाव जीतने के लिए लोक लुभावन वादे कर रहे हैं। भारत पर पिछले एक दशक से राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए इसी तरह के वादे करके चुनाव जीत रहे हैं, लेकिन अभी तक भारत में जेन-जी की समस्याओं को हल करने की दिशा में केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कोई काम नहीं किया है। इस दिशा में भी जेन-जी गंभीर नहीं नजर आता है। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सारी दुनिया में कर्ज और बाजारवाद की जो आंधी चली है उसमें सबसे ज्यादा प्रभावित यही जेन-जी हुआ है। इसने अपने सपने पूरे करने के लिए एजुकेशन लोन भी लिया है। गाड़ी-घोड़े भी लोन से लिए हैं। मोबाइल फोन भी किस्तों पर लेकर तथा क्रेडिट कार्ड और अन्य तरीके से कर्ज लेकर अपने खर्चे पूरे करने का जो तरीका अपनाया था वह उसकी आदत में शुमार हो चुका है। जिस तरह से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, रही सही कसर ए आई तकनीकी के कारण बेरोजगारी और तेजी के साथ बढ़ रही है। महंगाई भी लगातार बढ़ती चली जा रही है। ऐसी स्थिति में एक बड़ी पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक समस्या एक विकट रूप में सामने आ रही है। इस समस्या का समाधान किस तरह से होगा, इसको लेकर अब दुनिया भर के विश्वविद्यालय शोध कार्यक्रम चला रहे हैं। डिग्रियों के बावजूद जब काम नहीं मिल रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है ऐसी स्थिति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब कॉलेज और विश्वविद्यालय में एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। हर साल बड़ी संख्या में सीट खाली रह जाती हैं। महंगाई के कारण मांग घटती चली जा रही है। कारपोरेट जगत का मुनाफा निश्चित रूप से बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है लेकिन जिस तरह से अब मांग घटने लगी है इसके कारण कॉर्पोरेट भी चिंतित नजर आने लगे हैं। बदली हुई इस व्यवस्था को लेकर सारी दुनिया में चिंता बढ़ गई है। सरकारों के खिलाफ आंदोलन हो रहे हैं। हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल है। दुनिया में आर्थिक मंदी और महंगाई दोनों ही बढ़ रही हैं। जिस तेजी के साथ जेन-जी का गुस्सा देखने को मिलता है। बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल एवं अन्य देशों की घटनाओं को देखते हुए यह क्षणिक में बहुत बड़ा नुकसान कर देता है और उसके बाद निराशा में शांत होकर बैठ जाता है। इस वर्ग के इस आचरण को देखते हुए किसी क्रांतिकारी बदलाव की आशा भी देखने को नहीं मिल रही है।

मेष राशिः सुबह कोई ऐसा काम सामने आ सकता है जिसे आप बाद के लिए छोड़ते आ रहे थे, लेकिन आज उसे टालना आसान नहीं होगा। अच्छी बात यह है कि आप उससे बचने के बजाय उसे पूरा करने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में किसी वरिष्ठ या अनुभवी व्यक्ति से हुई बातचीत आपके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

वृषभ राशिः सुबह किसी ऐसी बात पर ध्यान जा सकता है जिसे आप पिछले कुछ दिनों से टाल रहे थे। शुरुआत में मन नहीं करेगा, लेकिन एक बार काम हाथ में लेने के बाद चीजें उम्मीद से आसान लगेंगी। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी हलचल नजर नहीं आती, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि दिन बेकार जाएगा। शुभ अंकः 4

मिथुन राशिः सुबह से ही मन एक जगह टिकने के बजाय कई बातों में उलझा रह सकता है। एक काम करते-करते दूसरा विचार दिमाग में आ जाएगा और फिर तीसरा। ऐसे में जरूरी कामों की सूची बनाकर चलना बेहतर रहेगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से संपर्क हो सकता है जिससे काफी समय से बात नहीं हुई थी। यह बातचीत छोटी हो सकती है, लेकिन इसका असर पूरे दिन आपके मूड पर रहेगा।

कर्क राशिः कोई पुरानी याद, किसी रिश्तेदार की खबर या अचानक हुई बातचीत मन में हलचल पैदा कर सकती है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि पूरा दिन भावुकता में बीतेगा। कुछ ही देर बाद रोजमर्रा की जिम्मेदारियां आपको वापस अपनी गति में ले आएंगी। आज काम के मामले में दूसरों की तुलना में आप ज्यादा धैर्य दिखा सकते हैं।

सिंह राशिः सुबह से ही मन में कुछ नया करने या किसी रुके हुए काम को आगे बढ़ाने की इच्छा रहेगी। जिस काम को लेकर पिछले दिनों उत्साह कम हो गया था, उसमें फिर से रुचि लौट सकती है। कार्यस्थल पर कोई छोटी-सी जिम्मेदारी अचानक बढ़ सकती है। पहले पल में यह अतिरिक्त बोझ लगेगा, लेकिन बाद में समझ आएगा कि यह आपके भरोसे और क्षमता की वजह से मिला है।

कन्या राशिः आज आपका ध्यान छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा जाएगा। किसी की कही हुई बात, कोई पुराना नोट या अचानक मिली जानकारी आपको कुछ देर तक सोचने पर मजबूर कर सकती है। हालांकि इसका फायदा भी होगा, क्योंकि आप एक ऐसी बात समझ पाएंगे जो पहले नजरअंदाज हो रही थी। घर का माहौल सामान्य रहेगा। परिवार के किसी सदस्य के साथ बैठकर हुई बातचीत मन को सुकून दे सकती है।

तुला राशिः किसी ऐसे व्यक्ति का संदेश या फोन आ सकता है जिससे काफी समय से संपर्क नहीं हुआ था। यह बातचीत भले कुछ मिनटों की हो, लेकिन आपका मूड बदलने के लिए काफी होगी। आज लोगों की बातों को ध्यान से सुनना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मकर राशिः सुबह से ही मन में यह भावना रह सकती है कि आज जितना हो सके, उतना काम निपटा लिया जाए। कुछ लोग आपको जरूरत से ज्यादा गंभीर भी समझ सकते हैं, लेकिन फिलहाल आपका फोकस अपने लक्ष्य पर रहेगा, लोगों की राय पर नहीं। कामकाज के दौरान कोई ऐसी जिम्मेदारी सामने आ सकती है जिसे बाकी लोग टालना चाहें, लेकिन आप उसे संभालने का मन बना सकते हैं। यही बात आपको दूसरों से अलग बनाएगी।

वृश्चिक राशिः सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझ सकता है। कोई पुरानी याद, अधूरी बातचीत या किसी व्यक्ति का व्यवहार आपको कुछ देर तक सोचने पर मजबूर कर सकता है। लेकिन आज आप हर बात का अर्थ निकालने के बजाय उसे जाने देना ज्यादा पसंद करेंगे। कामकाज में स्थिति धीरे-धीरे आपके पक्ष में बनती दिखाई देगी।

धनु राशिः आज किसी दोस्त, रिश्तेदार या पुराने परिचित की याद अचानक आ सकती है। कुछ लोग खुद संपर्क भी कर सकते हैं। छोटी-सी बातचीत भी आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। दिन का सबसे अच्छा हिस्सा यही हो सकता है कि आप कुछ समय के लिए रोजमर्रा की भागदौड़ भूल जाएं। पैसों को लेकर आज आपका नजरिया व्यावहारिक रहेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपको किसी बात को नए नजरिए से देखने का मौका दे सकता है। सुबह जिस बात को लेकर मन में उलझन होगी, वही दोपहर तक काफी सरल लगने लगेगी। कभी-कभी जवाब बदलते नहीं, बस उन्हें देखने का तरीका बदल जाता है। आज ऐसा ही अनुभव हो सकता है। कामकाज में किसी की कही हुई बात आपको सोचने पर मजबूर कर सकती है।

मीन राशिः पैसों को लेकर आपका रवैया संतुलित रहेगा। कोई खर्च करने से पहले मन खुद हिसाब लगाने लगेगा। आज बचत की सोच खर्च करने की इच्छा पर भारी पड़ सकती है। आने वाले समय को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला सही साबित होगा। परिवार या करीबी लोगों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है। किसी अपने की बात सुनकर मन हल्का महसूस करेगा।

नीतिगत गतिरोध से विकसित भारत तकः मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

पीयूष गोयल

वर्ष 2014 के बाद से, भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इसकी अर्थव्यवस्था कहीं अधिक मजबूत हुई है। बुनियादी ढांचा निश्चित रूप से बेहतर हुआ है। महिलाएं बेहद सशक्त हुईं हैं। किसानों को बेहतर दाम मिल रहे हैं और गरीब अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हुए हैं। इन तमाम बदलावों में एक ही बात साझा हैः प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और उनका नेतृत्व।

भारत के लोगों ने उनके दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व का भरपूर समर्थन किया है और उन्हें देश का सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला निर्वाचित प्रधानमंत्री बनाया है। बीते 10 जून को उन्होंने राष्ट्र की सेवा में 4,399 दिन पूरे किए और अपनी पहली चुनावी जीत के बाद जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गए।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। देश के लोगों ने ऐसे समय में 2014 में मोदी सरकार को भारी बहुमत से सत्ता सौंपी, जब अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी और यूपीए सरकार के बदनाम कार्यकाल के दौरान नीतिगत गतिरोध, भ्रष्टाचार, घोटालों एवं विवादों को लेकर जनता में निराशा लगातार बढ़ रही थी।

संवेदनशील नेतृत्व - 2014 से देश निरंतर बदलाव की यात्रा पर है। मोदी सरकार ने 81 करोड़ से अधिक लोगों के लिए मुफ्त अनाज की व्यवस्था की, 58 करोड़ जन धन बैंक खातों के जरिए वित्तीय समावेशन को संभव बनाया और 16 करोड़ घरों तक नल के पानी का कनेक्शन पहुंचाया। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना, 'आयुष्मान भारतó के जरिए 12 करोड़ परिवारों को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी मिल रही है। कई युवा भारतीयों के लिए यह कल्पना करना मुश्किल हो सकता है कि मोदीजी द्वारा - पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में - लाए गए बड़े बदलावों से पहले जीवन कितना चुनौतीपूर्ण था। उनके निर्णायक नेतृत्व और नेक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण ने देश को 'विकसित भारत 2047ó मिशन की दिशा में आगे बढ़ाया है। इस मिशन में भारत की विरासत पर गर्व और विकास का एक महत्वाकांक्षी एजेंडा शामिल है।

नारी शक्तिः प्रधानमंत्री के लिए महिलाएं केवल सहायता की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माता हैं। सबसे पहले उनकी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान दिया गयाः स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए। इससे उनकी सुरक्षा और सम्मान में वृद्धि हुई। वहीं, उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे महिलाओं को धुएं से भरी रसोई के खतरों से मुक्ति मिली। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओó की पहल ने बेटियों की शिक्षा एवं उनके कल्याण के महत्व को और ठोस बनाया है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियमó के जरिए, प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने के लिए देश की विधायिकाओं में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की है।

किसानों का कल्याणः किसानों का कल्याण प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का एक मुख्य आधार रहा है। किसानों के योगदान को मान्यता देते हुए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के जरिए उन्हें सीधे आय संबंधी सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बांटे गए कुल 4.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि से लगभग 10 करोड़ किसान परिवारों को लाभ हुआ है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी काफी बढ़ोतरी की है, जो अब उत्पादन लागत का कम से कम 1.5 गुना है। साथ ही, किफायती दरों पर फसलों के लिए पोषक तत्व उपलब्ध कराकर किसानों को वैश्विक स्तर पर उर्वरकों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी से बचाया गया है।

युवाओं के लिए अवसरः युवा भारतीयों के लिए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से, 'मेक इन इंडियाó और 'स्टार्टअप इंडियाó जैसी प्रमुख पहलें शुरू की गई हैं। 'कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालयó के रूप में एक समर्पित मंत्रालय के गठन से जहां युवाओं को आधुनिक अर्थव्यवस्था के अनुकूल कौशल से लैस करने में मदद मिली है, वहीं भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में उभरती हुई क्रांति का लाभ उठाने के लिए तैयार भी किया गया है। 'स्टार्टअप इंडियाó और नवाचार को दिए गए व्यापक समर्थन ने कई युवाओं को नौकरी खोजने वाला से हटकर नौकरी देने वाला बनने में मदद की है। इन पहलों ने उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) की एक ऐसी नई लहर की नींव रखी है, जिसमें आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के मामले में अहम योगदान देने की क्षमता है।

अर्थव्यवस्था और जीवनयापन में सुगमताः वर्ष 2014 से पहले, भारत की गिनती दुनिया की "फ्रैजाइल फाइव" (कमजोर पांच) अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में होती थी। निवेशकों का भरोसा भी लगातार कम हो रहा था। साहसिक सुधारों, निवेशकों के लिए अनुकूल नीतियों, वित्तीय अनुशासन और अपेक्षाकृत कम महंगाई के सहारे, भारत अब दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और यह कारोबार व निवेश का एक आकर्षक स्थल बनता जा रहा है। भारत ने विभिन्न विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। इससे हमारे युवाओं, किसानों, छोटे व्यवसायों, कारीगरों और श्रमिकों के लिए वैश्विक स्तर पर नए अवसर खुले हैं। और ऐसा भारत के हितों से समझौता किए बिना किया गया है। यह यूपीए सरकार द्वारा किए गए कुछ लापरवाही भरे समझौतों से बिल्कुल अलग है।

सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और करों की कम दरों जैसे बड़े सुधारों के जरिए कारोबार जगत और मध्यम वर्ग का भरोसा भी बढ़ाया है। इंटरनेट की पैठ और डिजिटल भुगतान प्रणाली के तेज विस्तार के साथ मिलकर, 'डिजिटल इंडियाó पहल ने अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालने के साथ-साथ नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बनाया है। कई पुराने एवं मामूली अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाने तथा अनुपालन के अनावश्यक बोझ को कम करने से कारोबार जगत को और भी अधिक लाभ हुआ है। मध्यम वर्ग को भी काफ़ी राहत मिली है और 12.75 लाख रुपये तक की सालाना आय को आयकर से छूट दे दी गई है।

आधुनिक बुनियादी ढांचा

मोदी सरकार देश के बुनियादी ढांचे में तेजी से बदलाव ला रही है। सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

एजेंसी, नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया। कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदॉय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप लॉन्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शॉट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शॉर्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनोली और मैट रेनशॉ भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और ऑस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदॉय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल ऑस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

तेज गेंदबाज आकाशदीप 24 जून को रचाएंगे शादी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप जल्द ही अपने जीवन की नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। मैदान पर अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकाशदीप अब विवाह बंधन में बंधने की तैयारी में हैं। जानकारी के अनुसार वह 24 जून को अपनी मंगेतर अक्षिता के साथ सात फेरे लेंगे। शादी समारोह बिहार के रोहतास जिले में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया जाएगा। आकाशदीप की होने वाली पत्नी अक्षिता डेहरी-ऑन-सोन के मानिकपुर गांव की निवासी हैं। दोनों परिवारों की सहमति से यह विवाह संपन्न होगा। शादी को लेकर दोनों परिवारों में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं और रिश्तेदारों के आने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। विवाह समारोह को पारंपरिक और पारिवारिक माहौल में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। सूत्रों के अनुसार शादी से पहले विभिन्न रस्में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न होंगी। 21 जून को तिलक समारोह आयोजित किया जाएगा, जबकि 22 जून को मेहंदी की रस्म होगी। इसके बाद 23 जून को हल्दी समारोह का आयोजन किया जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों में परिवार के सदस्य, करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। 24 जून को आकाशदीप बारात लेकर अक्षिता के घर पहुंचेंगे और विवाह की सभी परंपराओं का पालन करते हुए दोनों जीवनसाथी बनेंगे। आकाशदीप का पैतृक गांव रोहतास जिले का बड्डी गांव है, जहां विवाह से जुड़ी कई रस्में संपन्न की जाएंगी। स्थानीय लोगों में भी इस शादी को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। क्रिकेट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके आकाशदीप की इस खुशखबरी से उनके प्रशंसकों में भी खुशी का माहौल है। भारतीय टीम के लिए खेलते हुए आकाशदीप ने अपनी तेज और सटीक गेंदबाजी से कई बड़े बल्लेबाजों को परेशानी में डाला है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। क्रिकेट मैदान पर विपक्षी बल्लेबाजों को क्लीन बोल्ड करने वाले आकाशदीप अब अपने निजी जीवन की नई शुरुआत करने जा रहे हैं।

परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि विवाह समारोह को सादगी और पारंपरिक मूल्यों के साथ आयोजित किया जाएगा। शादी में परिवार, रिश्तेदारों और मित्रों की मौजूदगी रहेगी। क्रिकेट जगत से जुड़े कुछ करीबी लोगों के भी समारोह में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया पर ऐतिहासिक सीरीज जीत के बीच बांग्लादेश को झटका

एजेंसी, नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे क्रिकेट में नया इतिहास रचते हुए पहली बार किसी द्विपक्षीय श्रृंखला में कंगारू टीम को पराजित किया है। लगातार दो मुकाबले जीतकर बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला अपने नाम कर ली, लेकिन इस ऐतिहासिक सफलता के बीच टीम को अपने कप्तान मेहदी हसन मिराज की चोट को लेकर चिंता का सामना करना पड़ा। दूसरे वनडे के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। मुकाबला ढाका में खेला गया, जहां बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। हालांकि मैच के दौरान एक ऐसा क्षण आया जिसने खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों की चिंता बढ़ा दी। बांग्लादेशी पारी के 34वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज राइली मेरेडिथ की एक तेज बाउंसर मेहदी हसन मिराज के हेलमेट पर जा लगी। गेंद लगते ही कप्तान दर्द से कराह उठे और घुटनों के बल मैदान पर बैठ गए। उनकी स्थिति को देखते हुए तुरंत मेडिकल टीम मैदान में पहुंची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के नियमों के अनुसार मैदान पर ही उनका कंकशन परीक्षण किया गया।

अफगानिस्तान 'ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश

एजेंसी, नई दिल्ली

दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान 'ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत 'ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत 'ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान 'ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत 'ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में अफगानिस्तान 'ए' ने भी आक्रामक शुरुआत की। कप्तान इमरान और हसन इसाखिल ने तेज रन बटोरते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। बाद में बहीर शाह और इमरान ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 25.5 ओवर में दो विकेट पर 177 रन तक पहुंचा दिया। इसी दौरान एक बार फिर बारिश शुरू हो गई और खेल रोकना पड़ा। जब आगे खेल संभव नहीं हो सका तो डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर परिणाम घोषित किया गया। उस समय अफगानिस्तान 'ए' की टीम निर्धारित पार-स्कोर से चार रन आगे थी, जिसके चलते उसे विजेता घोषित कर दिया गया। मैच के बाद तिलक वर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया और इस पिच पर 349 रन का स्कोर प्रतिस्पर्धी माना जा सकता था। उन्होंने कहा कि बारिश और डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के कारण मुकाबले की दिशा बदल गई।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में जेनएक्सआई एनालिटिक्स ने किया निराश

▪ अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जेनएक्सआई एनालिटिक्स के शेयरों ने शेयर बाजार में निराशाजनक शुरुआत की। कंपनी के शेयर शुक्रवार को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर भारी डिस्काउंट के साथ सूचीबद्ध हुए, जिससे आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन नुकसान का सामना करना पड़ा। कंपनी ने अपने आईपीओ के तहत शेयरों का निर्गम मूल्य 116 रुपये प्रति शेयर तय किया था। हालांकि बाजार में इसकी एंट्री 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 92.80 रुपये पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बावजूद बाद में निवेशकों की खरीदारी बढ़ने से शेयर में कुछ सुधार देखने को मिला और यह 97.40 रुपये के अपर सर्किट स्तर तक पहुंच गया। इसके बावजूद आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 18.60 रुपये अथवा 16.03 प्रतिशत का नुकसान झेलना पड़ा। जेनएक्सआई एनालिटिक्स का 54.84 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच जून से नौ जून तक निवेशकों के लिए खुला था। कंपनी के इश्यू को निवेशकों का अच्छा समर्थन मिला था और यह कुल 16.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) श्रेणी में 17.58 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) श्रेणी में 30.92 गुना तथा रिटेल निवेशकों के हिस्से में 12.59 गुना आवेदन प्राप्त हुए थे। आईपीओ के तहत कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 47.28 लाख नए शेयर जारी किए हैं। इस इश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी अपने कर्ज को कम करने, कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने और अन्य सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में राजस्व और लाभ दोनों मोर्चों पर उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का शुद्ध लाभ 84 लाख रुपये था, जो 2023-24 में बढ़कर 2.65 करोड़ रुपये और 2024-25 में 6.55 करोड़ रुपये हो गया। वहीं वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल से दिसंबर 2025) में ही कंपनी 13.31 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित कर चुकी थी। कंपनी की आय में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में जेनएक्सआई एनालिटिक्स को 16.61 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 24.21 करोड़ रुपये और 2024-25 में 28.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं 2025-26 के पहले नौ महीनों में कंपनी का राजस्व 64.47 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

टाटा मोटर्स एक जुलाई से यात्री वाहनों की कीमतों में करेगी 1.5 फीसदी का इजाफा

एजेंसी, नई दिल्ली

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित अपने यात्री वाहनों की कीमतों में एक जुलाई से 1.5 फीसदी तक इजाफा करने का ऐलान किया है। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को नियामक फाइलिंग में बताया, ''यह मूल्य संशोधन कच्चे माल की बढ़ती लागत और महंगाई के निरंतर दबाव के प्रभावों को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है।

कीमतों में यह बदलाव मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग-अलग होगा।'' कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स इन लागत वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही है, लेकिन इसका कुछ प्रभाव इस मूल्य समायोजन के जरिये ग्राहकों पर डाला जा रहा है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में वृद्धि विभिन्न मॉडल और संस्करणों के लिए अलग-अलग होगी।

एफएसएसएआई ने केएफसी, फ्लिपकार्ट इंडिया और नेस्ले को जारी किया नोटिस

▪ खाने के सामान में कीड़े मिलने की शिकायत पर एफएसएसएआई ने भेजा नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तीन बड़ी कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने सोशल मीडिया पर सामने आई उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर नेस्ले इंडिया, फ्लिपकार्ट इंडिया और केएफसी को नोटिस जारी कर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

एफएसएसएआई की ओर से जारी नोटिस में कंपनियों से पूछा गया है कि संबंधित शिकायतों की जांच के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन-से सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं।

प्राधिकरण के अनुसार, केएफसी को उसके आउटलेट्स में स्वच्छता संबंधी शिकायतों के मामले में नोटिस भेजा गया है। वहीं, फ्लिपकार्ट इंडिया से उन आरोपों पर जवाब मांगा गया है जिनमें उसके प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचे गए खजूर के उत्पाद में कीड़े पाए जाने की शिकायत सामने आई थी। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया को मैगी के पैकेट में कीड़े अथवा लार्वा मिलने के मामलों के संबंध में नोटिस जारी किया गया है।

एफएसएसएआई ने कंपनियों से घटनाओं की पूरी जानकारी, जांच रिपोर्ट तथा उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का विवरण देने को कहा है। प्राधिकरण का कहना है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि एफएसएसएआई की यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा नियमन में उभरते नए रुझान को दर्शाती है। अब सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली उपभोक्ताओं की शिकायतें सीधे नियामक एजेंसियों के संज्ञान में आ रही हैं और उन पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इससे शिकायत दर्ज होने और संबंधित कंपनियों से जवाब तलब किए जाने के बीच का समय काफी कम हो गया है। उपभोक्ता अधिकारों के दृष्टिकोण से भी यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे कंपनियों पर उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने और शिकायतों के त्वरित समाधान का दबाव बढ़ेगा। साथ ही, आम उपभोक्ताओं का भरोसा भी मजबूत होगा कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना आज 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,45,780 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में हेक्सागॉन न्यूट्रिशन की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

न्यूट्रिशन प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी हेक्सागॉन न्यूट्रिशन के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 45 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग लगभग सात प्रतिशत प्रीमियम के साथ 48 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 48.25 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 50.66 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 5.66 रुपये यानी 12.58 प्रतिशत का फायदा हो गया। हेक्सागॉन न्यूट्रिशन का 138.87 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच से नौ जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 53.68 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 161.49 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 26.85 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले 3,08,59,704 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए जारी किए गए हैं। हेक्सागॉन न्यूट्रिशन की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 5.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 12.21 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 24.38 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 27.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 281.65 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 304.62 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 331.29 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 275.57 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

फिल्म

बॉक्स ऑफिस पर पेड्डी का दबदबा छठे दिन बरकरार, हैं जवानी तो इश्क होना हैं ने भी कमाए करोड़ों, बंदर ने किया निराश

रा राम चरण की स्पोर्ट्स एक्शन-ड्रामा फिल्म पेड्डी ने बॉक्स ऑफिस पर 6 दिन पूरे कर लिए हैं। पहले दिन से फिल्म का दबदबा देखने को मिल रहा है, जो अभी भी बरकरार है। कमाई देखकर साफ है कि यह जल्द 200 करोड़ रुपये के क्लब में अपनी जगह बनाएगी। दूसरी ओर, वरुण धवन की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है ने वीकेंड पर धाकड़ कमाई की, लेकिन कारोबारी दिनों में कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली है।

राम चरण और जाह्नवी कपूर की यह फिल्म हर दिन सफलता के साथ आगे बढ़ रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने 6वें दिन 9.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद कुल नेट कलेक्शन 179.35 करोड़ रुपये हो गया है। वर्ल्डवाइड इसने 6 दिनों में 261.23 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। बता दें, पेड्डी में अभिनेता पहली बार पहलवान के किरदार में नजर आए हैं। दिव्येंदु, बोमन ईरानी और शिव राजकुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। उधर है जवानी तो इश्क होना है ने रिलीज के 5वें दिन 3.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो चौथे दिन की कमाई (3.50 करोड़) के बराबर है। फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 31 करोड़ रुपये हो पाया है। वरुण, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत इस फिल्म की आगे की राह मुश्किल हो सकती है। बॉबी देओल की अदाकारी वाली फिल्म 'बंदर ने रिलीज के पांचवें दिन 40 लाख रुपये कमाए हैं। चौथे दिन इस फिल्म ने 30 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वीकेंड पर यह फिल्म ठीक-ठाक कमाई करने में कामयाब रही थी। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 3.15 करोड़ रुपये हो चुका है। फिल्म के निर्देशक अनुराग कश्यप हैं। इसमें सबा आजाद, सपना पब्बी और सान्या मल्होत्रा जैसी एक्ट्रेसेस भी नजर आई हैं।

आईपीएल के जश्न के दौरान अनुष्का की तुलसी की कंठी ने खींचा ध्यान

रॉ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल 2026 के फाइनल में शानदार जीत के जश्न के दौरान अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने अपनी तुलसी की कंठी माला से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनकी यह सार्वजनिक उपस्थिति एक बार फिर सनातन धर्म की प्राचीन परंपराओं और प्रतीकों को लेकर चर्चा का विषय बन गई है। अपने पति विराट कोहली के साथ मैदान पर दिखी अनुष्का की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं, जिसके बाद कई लोग तुलसी की माला के धार्मिक महत्व और उसे धारण करने के नियमों के बारे में जानने को उत्सुक हो गए हैं। सनातन धर्म में तुलसी को अत्यंत पवित्र और पूजनीय माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी का सीधा संबंध भगवान विष्णु और भगवान श्रीकृष्ण से है, जिन्हें वैष्णव परंपरा में सर्वोपरि माना जाता है। यही वजह है कि तुलसी की माला धारण करना केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भगवान के प्रति गहरी श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक भी माना जाता है। यह माला धारण करने वाला व्यक्ति स्वयं को ईश्वरीय शक्ति से जुड़ा हुआ महसूस करता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और नियमों के साथ तुलसी की कंठी माला धारण करता है, उस पर भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है, जिससे उसके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं के अनुसार तुलसी की माला मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। पहली रामा तुलसी माला, जिसे रामा तुलसी के पौधे की लकड़ी से तैयार किया जाता है। इसका रंग अपेक्षाकृत हल्का होता है और इसे शांति, सकारात्मकता तथा मन की एकाग्रता का प्रतीक माना जाता है। दूसरी श्यामा तुलसी माला, जो श्यामा तुलसी से बनी होती है और जिसका रंग थोड़ा गहरा होता है। वैष्णव परंपरा में इसे विशेष महत्व दिया जाता है और इसे भगवान कृष्ण की भक्ति से सीधे जोड़ा जाता है। भक्त इसे भगवान कृष्ण के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा के प्रतीक के रूप में धारण करते हैं। तुलसी की माला धारण करने से कई आध्यात्मिक लाभ बताए गए हैं। मान्यता है कि यह व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है और भय, चिंता तथा नकारात्मक विचारों को दूर करने में सहायक होती है। यह मन में शांति बनाए रखने और ईश्वर के प्रति आस्था को मजबूत करने में भी मददगार मानी जाती है, जिससे ध्यान और एकाग्रता में सुधार महसूस किया जा सकता है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तुलसी

की माला को मानसिक शांति और सकारात्मक सोच के विकास का एक माध्यम भी माना जाता है। आयुर्वेदिक दृष्टि से भी तुलसी को औषधीय गुणों से भरपूर पौधा माना गया है, हालांकि माला पहनने से सीधे स्वास्थ्य लाभों को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं। तुलसी की माला धारण करने के कुछ विशेष नियम हैं, जिनका पालन करना इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। इसे धारण करने से पहले गंगाजल से शुद्ध करना शुभ माना जाता है, जिससे यह माला और भी पवित्र हो जाती है। सोमवार, गुरुवार, एकादशी या पूर्णिमा जैसे विशेष दिनों में इसे धारण करना अत्यंत फलदायी माना जाता है, क्योंकि ये दिन धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। इस माला को धारण करने वाले व्यक्ति को सात्विक जीवनशैली अपनाने की सलाह दी जाती है, जिसमें मांसाहार, नशा और गलत आचरण से दूर रहना शामिल है। परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, शौच जाने, अंतिम संस्कार में शामिल होने या वैवाहिक संबंध बनाने से पहले तुलसी की माला उतार देना उचित माना जाता है, ताकि इसकी पवित्रता खंडित न हो। साथ ही, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तुलसी की माला को अन्य धातु की मालाओं के साथ पहनने से बचना चाहिए, इसे अलग और सम्मानपूर्वक धारण करना चाहिए। अनुष्का शर्मा की तस्वीरों के बाद भले ही तुलसी की कंठी माला की चर्चा फिर से तेज हो गई हो, लेकिन सनातन परंपरा में इसका महत्व सदियों से बना हुआ है।

कैटरीना कैफ फिल्मों में वापसी के लिए कस रहीं कमर, स्क्रिप्ट की तलाश में जुटीं

अ अभिनेत्री कैटरीना कैफ को आखिरी बार फिल्म मेरी क्रिसमस (2024) में देखा गया था। नवंबर, 2025 में उन्होंने अपने पति विक्की कौशल के साथ बेटे विहान का स्वागत किया, जिसके बाद से अभिनेत्री अभिनय की दुनिया से दूर हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कैटरीना अब कामकाजी दुनिया में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस सिलसिले में उन्होंने कुछ नई फिल्मों और स्क्रिप्ट को पढ़ना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना ने ओटीटी परियोजनाओं के लिए नई कहानियों को पढ़ना शुरू कर दिया है। इस घटनाक्रम से जुड़े एक सूत्र ने कहा, हाल ही में मां बनने के बाद कैटरीना कैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ना फिर से शुरू कर दिया है। 2027 के उत्तरार्ध तक किसी फिल्म सेट पर वापसी करने की योजना बना रही हैं और एक ऐसी सही पटकथा की तलाश में सक्रिय रूप से जुटी हैं जो उनके समय के लायक हो। रिपोर्ट के अनुसार, कैटरीना किसी भी परियोजना में जल्दबाजी नहीं करना चाहतीं और स्क्रिप्ट को ध्यान से पढ़ रही हैं। अगर सबकुछ ठीक रहा, तो उन्हें ओटीटी पर डेब्यू करते हुए देखा जा सकेगा। जाहिर है कि आजकल शाहिद कपूर, मनोज बाजपेयी और सोनाक्षी सिन्हा समेत कई सितारे डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं। कैटरीना भी ओटीटी पर आने की योजना बन रही हैं। अब देखना होगा कि अभिनेत्री की नई परियोजना का ऐलान कब तक होगा।

अपनी प्रतिभा के दम पर बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने हासिल की करोडों की संपत्ति

90 के दशक में बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी। अभिनेत्री ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। फिटनेस के प्रति जुनून और मनमोहक मुस्कान के लिए पहचानी जाने वाली शिल्पा आज भी मनोरंजन जगत की सबसे चर्चित हस्तियों में शामिल हैं। अपने सफल करियर के दौरान उन्होंने न केवल लोकप्रियता हासिल की, बल्कि करोड़ों की संपत्ति भी बनाई है, जो उन्हें बॉलीवुड की सबसे अमीर अभिनेत्रियों में से एक बनाती है। उनके जन्मदिन के खास मौके पर यह जानना दिलचस्प है कि उनकी कुल नेटवर्थ कितनी है और वह किन-किन बिजनेस से यह तगड़ा पैसा कमाती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिल्पा शेट्टी की नेटवर्थ 150 करोड़ रुपये के आसपास है। इस विशाल संपत्ति के साथ वह एक बेहद आलीशान जिंदगी जीती हैं, जिसका अंदाजा उनके पास मौजूद लग्जरी सामानों से लगाया जा सकता है। शिल्पा शेट्टी को गाड़ियों का भी बहुत शौक है और उनके पास एक शानदार कलेक्शन है। उनके गैरेज में 4.03 करोड़ रुपये की फेरारी पोर्टोफिनो एम, 6.25 करोड़ रुपये की लैम्बोर्गिनी एवेंटाडोर, 2.25 करोड़ रुपये की बीएमडब्ल्यू आई 8, 3.63 करोड़ रुपये की मर्सिडीज़-मेबैक जीएलएस 600, 2.88 करोड़ रुपये की लोटस एलेत्रे, 2.81 करोड़ रुपये की मर्सिडीज़-एएमजी जी63, 3.02 करोड़ रुपये की लैंड रोवर रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी और 2.31 करोड़ रुपये की पोर्श कायेन जीटीएस जैसी महंगी गाड़ियां शामिल हैं। यह कलेक्शन उनकी हाई-एंड लाइफस्टाइल का प्रमाण है। शिल्पा शेट्टी सिर्फ महंगी गाड़ियों और आलीशान जीवन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि उनके पास मुंबई के जुहू में एक भव्य बंगला किनारा है, जिसकी कीमत कम से कम 100 करोड़ रुपये बताई जाती है। इस घर में वह अपने परिवार के साथ रहती हैं, और यह उनकी शानदार जीवनशैली का केंद्र है। भारत में ही नहीं, बल्कि दुबई और यूके जैसे विदेशी स्थानों पर भी उनके पास अपने आलीशान अपार्टमेंट हैं, जो उनकी वैश्विक संपत्ति को दर्शाते हैं। शिल्पा शेट्टी की व्यावसायिक समझ सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि बिजनेस की दुनिया में भी उनकी मजबूत मौजूदगी है। वह डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर क्षेत्र में सक्रिय रूप से निवेश करती हैं और कई उभरते स्टार्टअप्स का समर्थन करती हैं, जिससे उन्हें व्यापार जगत में एक निवेशक के रूप में पहचान मिली है। वह हॉस्पिटैलिटी कंपनी बैस्टियन हॉस्पिटैलिटी की सह-मालिक भी हैं, जो उनके व्यापारिक पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा, उन्होंने कई लोकप्रिय ब्रांड्स में निवेश किया हुआ है, जिनमें मामाअर्थ जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं। फिल्मों के अलावा, शिल्पा शेट्टी टेलीविजन से भी मोटी कमाई करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एक विज्ञापन के लिए करीब 1 करोड़ रुपये के आसपास चार्ज करती हैं। इसके अलावा, वह कई रियलिटी शो में जज की कुर्सी संभालकर भी अच्छी खासी फीस लेती हैं। शिल्पा शेट्टी ने मनोरंजन और फैशन इंडस्ट्री में भी कई व्यावसायिक निवेश किए हैं। उनका एक विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो है, जिसे एसपीएस स्टूडियो के नाम से जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने करोड़ों रुपये का निवेश किया है, जहां फिल्मों और अन्य प्रोडक्शंस के लिए विजुअल इफेक्ट्स से जुड़ा काम किया जाता है।

गर्भावस्था के दौरान योग अपनाने से मिलते हैं ये 5 फायदे, मानसिक शांति मांस व पेशियों को मजबूती मिलती है

डे गर्भावस्था के दौरान योग करना एक सुरक्षित और लाभकारी विकल्प हो सकता है। यह न केवल मां के लिए बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी फायदेमंद है। योग से मां को शारीरिक और मानसिक आराम मिलता है और शिशु का विकास भी सही तरीके से होता है। इस लेख में हम आपको गर्भावस्था के दौरान योग करने के 5 मुख्य फायदे बताएंगे, जिनसे आपकी गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है। गर्भावस्था के दौरान योग करने से मां की शारीरिक सक्रियता बढ़ती है। यह न केवल वजन नियंत्रित रखने में मदद करता है, बल्कि शरीर में लचीलापन भी लाता है। नियमित योग करने से पीठ दर्द, पैरों में सूजन और अन्य शारीरिक समस्याओं से राहत मिलती है। इसके अलावा योग से मां के शरीर की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, जिससे बच्चे के जन्म के समय सहूलियत होती है। गर्भावस्था के दौरान मानसिक तनाव सामान्य है, लेकिन योग करने से मानसिक शांति मिलती है। योगाभ्यास जैसे सांस लेने के अभ्यास और ध्यान करने से मन शांत होता है और चिंता कम होती है। इससे मां को बेहतर नींद भी मिलती है, जो उसके स्वास्थ्य के लिए

जरूरी है। नियमित ध्यान और सांस के अभ्यास से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और सकारात्मक सोच विकसित होती है, जिससे गर्भावस्था का अनुभव सुखद हो सकता है। योग करने से सांस लेने की तकनीक में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं के लिए सही तरीके से सांस लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और थकान कम होती है। सांस के अभ्यास जैसे अनुलोम-विलोम आदि से फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है। सही तरीके से सांस लेने से मां और शिशु दोनों को अधिक ऑक्सीजन मिलती है, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अक्सर पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कब्ज, गैस आदि। योग करने से पाचन में सुधार होता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। हल्के-फुल्के योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन आदि पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त का बहाव बेहतर होता है। इसके अलावा योग से पेट की चर्बी भी कम होती है, जिससे पाचन और भी मजबूत होता है। योग करने से प्रसव पूर्व तैयारी बेहतर होती है। इससे मां की मानसिक स्थिति मजबूत होती है और वह बच्चे के जन्म के समय अधिक तैयार महसूस करती है। योगाभ्यास से मां के शरीर की सहनशक्ति बढ़ती है, जिससे बच्चे का जन्म आसान होता है। इसके अलावा योग से मां का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जिससे वह प्रसव के दौरान कम डरती है और अधिक सकारात्मक महसूस करती है।

सूर्या की फिल्म करुप्पू की ओटीटी रिलीज का ऐलान

12 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

सा साउथ अभिनेता सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म करुप्पू 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह तमिल भाषा की फैंटेसी-एक्शन और कोर्टरूम ड्रामा है, जिसकी कमाई सिनेमाघरों में अभी भी जारी है। फिल्म अब तक 190 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार करते हुए खुद को ब्लॉकबस्टर फिल्मों की सूची में शामिल कर चुकी है और अब डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। निर्माताओं ने करुप्पू की ओटीटी रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। प्राइम वीडियो ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है। यह फिल्म 12 जून को रिलीज होगी। आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित फिल्म करुप्पू अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। निर्माताओं ने एक पोस्ट में बताया है कि फिल्म 12 जून को तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी। फैंस भी बेहद उत्साहित हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि फिल्म बिना किसी कांट-छांट के ओटीटी पर रिलीज होगी। करुप्पू दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। यह सूर्या के करियर की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म है। सूर्या के साथ इस फिल्म में तृषा कृष्णन, अनघा रवि, इंद्रांस और मंसूर अली खान जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। साईं अभ्यंकर का संगीत इस फिल्म की जान है। ऐसे में दर्शकों को फिल्म में शानदार गानों के साथ भरपूर एक्शन भी देखने को मिलेगा।

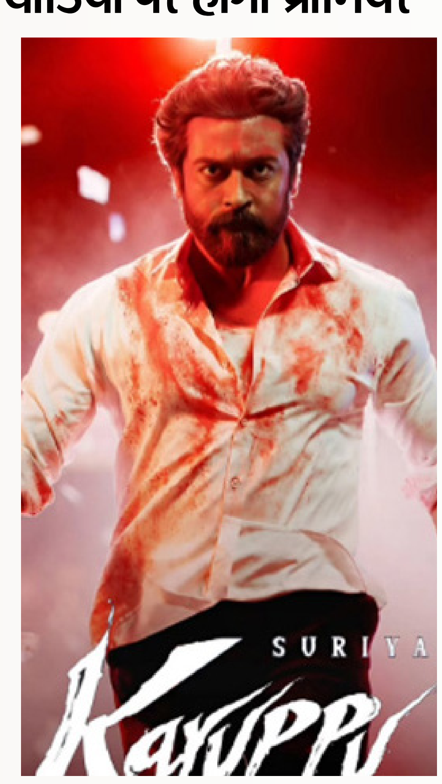

No let-up in TMC exodus

Prakash Chik Baraik quits as Rajya Sabha MP

New Delhi, Agency: All India Trinamool Congress (AITC) mass exodus continues as another party leader and Rajya Sabha member Prakash Chik Baraik resigned as the member of the Upper House on Thursday.

The development comes just a day after senior Trinamool Congress (TMC) leader Sushmita Dev resigned from the Rajya Sabha member after quitting the party.

Earlier, senior party leader and Rajya Sabha MP Sukhendu Sekhar Roy had resigned from both the Trinamool Congress and the Rajya Sabha.

With Prakash Chik Baraik's resignation, the Trinamool Congress' strength in the Rajya Sabha now stands at 10.

In his letter addressed to the Chairman of the Rajya Sabha CP Radhakrishnan, Baraik said, "I do hereby resign from the membership of Rajya Sabha, which may please be accepted with immediate effect". Baraik was elected to the Upper House in August 2023.

Sushmita Dev had termed "political and personal reasons" for resigning. Though she declined to elaborate further, refusing to comment on her future political plans or the party she may join next, she however, met Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma.

Another TMC leader Shatabdi Roy expressed support for the rebel faction led by Kakoli Ghosh Dastidar. She said that those leaving the party were not doing so because of electoral defeats but due to a series of wrong decisions taken by the leadership.

Shatabdi Roy also questioned the functioning of the party, alleging that party supremo Mamata Banerjee had failed to grasp the realities unfolding around her. She claimed that Banerjee was "suffering from a mental blockage" and accused her of ignoring growing public dissatisfaction with her nephew, Abhishek Banerjee.

According to Roy, Mamata Banerjee failed to make Abhishek understand the need to change his lifestyle, describing it as a "big mistake."

NGT directs DPCC to probe environmental violations by restaurants in residential areas:

New Delhi, Agency: The National Green Tribunal (NGT), Principal Bench, New Delhi, on Wednesday directed the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) to investigate the alleged environmental violations by several restaurants operating in a residential area.

The order was passed after an application was filed by Rishi Jindal, alleging that several restaurants had installed chimneys of inadequate height and were causing air and noise pollution, adversely affecting residents of the locality.

The matter was heard by Justice Prakash Shrivastava, Chairperson, and Dr. Afroz Ahmad, Expert Member.

During the hearing, it was brought to the Tribunal's notice that a complaint had already been filed before the Delhi Pollution Control Committee (DPCC) on April 14, 2026. Taking note of the allegations and supporting photographs placed on record, the Tribunal directed the Member Secretary, DPCC, to conduct ground verification and examine the complaint.The NGT has instructed the DPCC to ascertain the correctness of the allegations and, if any violation of environmental norms is found, to take appropriate remedial and punitive action in accordance with law while following the principles of natural justice.

HC seeks Delhi Police stand on Tahir's bail plea in riots case:

New Delhi, Agency: The Delhi High Court on Wednesday sought the stand of the city police on a plea by former AAP councilor Tahir Hussain seeking regular bail in a 2020 Delhi riots case pertaining to the alleged larger conspiracy behind the violence.

vacation Bench of Justices Neena Bansal Krishna and Madhu Jain asked the Delhi Police to respond within four weeks to Hussain's appeal challenging a trial court's January 29 order that refused him relief.

Additional Solicitor General SV Raju urged the court to grant time to the agency to file its reply.

Listing the matter for hearing on July 14, the Bench also gave time to the police to respond to Hussain's application seeking to condone a delay of 87 days in filing the appeal.

Hussain and others were booked under the anti-terror law - Unlawful Activities Act - in the case for being the "masterminds" of the February 2020 riots, which had left 53 people dead and over 700 injured. The violence erupted during the protests against the Citizenship Act, 2019, and the National Register of Citizens.

Activists Sharjeel Imam, Khalid Saifi and Umar Khalid, among others, were also booked for their alleged involvement in the larger conspiracy case, which is being investigated by the Special Cell of the Delhi Police.

On January 29, the trial court denied the relief of regular bail to Tahir Hussain, saying the prima facie case was made out against him in earlier orders, making him ineligible to get bail under the UAPA.

The Delhi Police had earlier alleged connections between Hussain and activists Khalid Saifi and Umar Khalid, who were part of a larger group of persons who were organising protests in Delhi.

The police also reportedly recovered crates containing glass bottles having some liquid filled in them and stuffed with pieces of cloth, which were used or to be used as Molotov cocktails, a large number of bricks and stone pieces and three catapults from the house of Hussain.

Gross abuse of law': Delhi HC quashes FIR, ED case against Newsclick, founder

New Delhi, Agency: In a major relief to digital news platform NewsClick and its founding editor-in-chief Prabir Purkayastha, Delhi high court Wednesday quashed an FIR registered by the eonomic offences wing (EOW) over allegations of illegal foreign funding, holding that the case disclosed no cognisable offence under the IPC.

Justice Neena Bansal Krishna held that even if all allegations in the FIR were accepted in their entirety, the essential ingredients of offences under Sections 406 (criminal breach of trust) and 420 (cheating) IPC were not made out.

Holding that continuation of the proceedings amounted to a "gross abuse of the process of law", the court quashed the FIR and observed that once the predicate offence itself stood quashed, the Enforcement Directorate's enforcement case information report, registered on its basis, would also become liable to be quashed.

NewsClick sought govt clarification

The bench noted, "Pertinently, extensive investigations have been carried out by ED for about a year and a half and petitioners as well as its employees have been summoned and examined many a times, but nothing incriminating till date has been found or placed on record. Aside from bald assertions of there being a criminal conspiracy, there is not a whisper of any incriminating allegation, which would even remotely suggest the commission of the offence punishable under Section 4 PMLA."

The allegations against PPK Newsclick Studio Pvt Ltd were that it had received foreign direct investment by allegedly overvaluing its shares to bypass FDI restrictions.

The FIR, registered in August 2020 on a complaint forwarded by the I&B ministry, alleged that NewsClick received Rs 9.59 crore in FDI from US-based Worldwide Media Holdings LLC through an overvalued share transaction and that part of the funds was siphonedoff through salaries, consultancy fees and other expenses.

The FIR subsequently formed the basis of an ED money laundering probe.

The court, however, found that Worldwide Media Holdings LLC had agreed to invest a total of $4.5 million in three tranches of $1.5 million each in exchange for 23.07% shares in PPK Newsclick Studio Pvt. Ltd.

Addressing the allegation of FDI violations, the court noted that NewsClick had sought clarification from the I&B ministry in 2017 regarding the FDI policy applicable to online news publications. Referring to the ministry's response, the bench observed, "From the response received from the ministry in respect of FDI policy, it was clearly evident that there was no cap on the online publication of news and thus, the agreement between the petitioner and M/s Worldwide Media Holdings LLC and, therefore, the Investment Agreement dated 20.03.2018 cannot be said to be in violation of any law or disclosing any criminal offence."

Gangster Venkatesh Garg, wanted in 2 states

extradited from Georgia, lands in India

New Delhi, Agency: Notorious gangster Venkatesh Garg landed in India on Thursday following his successful extradition from Georgia. The major breakthrough was achieved through a coordinated operation involving the Central Bureau of Investigation (CBI), the Ministry of External Affairs (MEA), the Ministry of Home Affairs (MHA), and the Haryana Police.

Garg, a Red Notice subject also identified as Vainket Garg, was wanted by the Haryana and Delhi Police in connection with multiple serious offences, including murder, attempted murder, extortion, organised crime, and the illegal use of firearms.

Law enforcement officials said Garg had previously been arrested during the investigation of these cases but absconded and fled the country after being granted bail, in an attempt to evade legal proceedings.

At the request of the Haryana Police, the National Central Bureau (NCB)-New Delhi processed and published an Interpol Red Notice to track the fugitive globally.

After Georgian authorities located and arrested Garg, India formally submitted an extradition request. Following due legal process, the Georgian government approved the extradition, paving the way for his return.

A specialised escort team from the Haryana Police travelled to Georgia to take custody of the gangster. The team, along with Garg, arrived at Delhi airport on Thursday.

Delhi L-G pays tributes to Bhai Vir Singh

New Delhi, Agency: Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu on Wednesday paid tributes to eminent Punjabi scholar and poet Bhai Vir Singh on his 69th death anniversary at the Bhai Vir Singh Sahitya Sadan in Gole Market here.

Addressing the commemorative event as the chief guest, the L-G highlighted Bhai Vir Singh's role in the Singh Sabha movement and his contribution to the revival of Punjabi literature and social reform.

He also underscored Prime Minister Narendra Modi's vision of "Vikas Bhi, Virasat Bhi", stressing the need to preserve cultural heritage alongside modern development and Sandhu said institutions such as Bhai Vir Singh Sahitya Sadan play an important role in ensuring that cultural traditions remain a living part of public life in an era of rapid technological change.

Indian Democracy's Pluralist Promise and the Rise of Political Opportunism

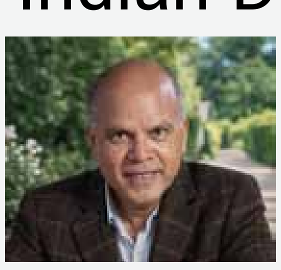

Purnendu Ranjan

India's democratic model is celebrated as the world's largest and most diverse political experiment. Its multi-party system was envisioned to accommodate regional aspirations, represent social diversity, and prevent the concentration of political power. However, the recurring phenomenon of defections has repeatedly exposed a troubling contradiction within this framework. While democracy outwardly embraces pluralism, political practice increasingly reflects opportunism. From the infamous "Aaya Ram, Gaya Ram" episode in Haryana in 1967 to recent political realignments in Bihar, West Bengal, and Tamil Nadu, defections have remained a persistent feature of Indian politics. What began as individual acts of political convenience has evolved into a sophisticated mechanism for altering electoral mandates and reshaping governments.

From "Aaya Ram, Gaya Ram" to Constitutional Reform The roots of India's defection culture can be traced to 1967, when a Haryana legislator switched parties multiple times within a single day. The incident became symbolic of a broader trend that emerged as Congress dominance weakened and coalition governments proliferated across states. Political instability became so widespread that Parliament enacted the 52nd Constitutional Amendment in 1985, introducing the Anti-Defection Law through the Tenth Schedule. The law sought to preserve political stability and party discipline. Yet political actors quickly discovered ways around its provisions. Mass resignations, engineered mergers, and strategic re-elections enabled politicians to circumvent the spirit of the legislation while technically remaining within its legal boundaries. Rather than eliminating defections, the law merely transformed their methods.

Coalition Politics and Weak Party Institutions The coalition era of the 1990s and early 2000s expanded political representation by empowering regional parties such as the RJD, Samajwadi Party, BSP, DMK, AIADMK, and TMC. These parties brought regional concerns to national prominence and deepened democratic participation. However, many of these organizations remained heavily dependent on charismatic leaders rather than strong internal institutions. Decision-making often became centralized, leaving little room for ideological development or internal democracy. As a result, elected representatives increasingly viewed politics through the lens of personal advancement rather than ideological commitment. Governments in several states became vulnerable to shifting loyalties, making coalition arithmetic more important than public policy. Political bargaining gradually replaced ideological contestation as the dominant mode of governance.

The New Age of Organized Defections- Recent political developments indicate that defections have entered a new phase. Events in Goa and Madhya Pradesh demonstrated that defections are no longer isolated acts by individual legislators. Instead, they have become organized political strategies capable of reshaping entire governments. The contemporary pattern differs significantly from that of earlier decades. First, the political context has changed. While defections in the late 1960s emerged amid a weakening national center and unstable regional coalitions, today's defections often occur in an environment marked by strong central authority and significant resource imbalances between ruling and opposition parties. Second, defections have become collective rather than individual. Political migration now frequently involves groups of legislators acting in coordination, allowing governments to be formed or collapsed with greater efficiency. The political developments in Bihar, West Bengal, and Tamil Nadu illustrate this trend. Opposition parties face internal attrition, legislators appear increasingly vulnerable to political pressure, and ideological commitments are often overshadowed by calculations of power and political survival. In many cases, representatives seem more responsive to shifting political incentives than to the voters who elected them.

Lessons from Other Democracies- Defections and political bargaining are not unique to India, but international comparisons reveal important differences. In Israel, coalition governments are often fragile, with smaller parties exercising disproportionate influence. However, political negotiations generally occur within established party structures rather than through mass defections. South Africa initially permitted floor-crossing but abolished the practice in 2009 after concluding that it undermined voter confidence and distorted democratic representation. Pakistan possesses constitutional anti-defection provisions, though their enforcement has often reflected broader political power dynamics. In the United States and many Western European democracies, political bargaining usually takes the form of legislative negotiation, coalition-building, and issue-based compromise rather than large-scale party switching by elected representatives. India stands apart because entire groups of legislators can change allegiance in ways that fundamentally alter electoral outcomes and bring down elected governments.

Preserving Democratic Legitimacy- Political opportunism is both a cause and a consequence of institutional weakness. It stems from parties that often lack internal democracy, ideological coherence, and meaningful engagement with grassroots constituencies. At the same time, it contributes to political instability, weakens opposition parties, and erodes public confidence in democratic institutions. This creates a profound paradox. Indian democracy continues to display the outward characteristics of political pluralism, yet its functioning is increasingly shaped by opportunistic power calculations. Addressing this challenge requires more than legal reforms. Political parties must strengthen internal democracy, promote ideological commitment, and build durable institutional structures. Simultaneously, lawmakers must explore stronger safeguards to ensure that electoral mandates cannot be easily overturned through political engineering. Until such reforms are undertaken, Indian democracy will continue to face a credibility crisis in which numbers prevail over principles and political calculations outweigh the voice of the voter.

(Writer - Punjan University, Chandigarh)